卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की 卐卐श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 104 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बृहस्पतिवार ♦19 जनवरी 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

अखाड़ा बना भारतीय कुश्ती महासंघ

अध्यक्ष के खिलाफ दूसरे दिन भी धरने पर डटे रहे पहलवान

नई दिल्ली(उद ब्यूरो)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के संगीन आरोप के बाद दूसरे दिन भी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट और साक्षी मलिक धरने पर डटे रहे। विनेश के साथ बजरंग पुनिया भी धरना प्रदर्शन में शामिल हैं। पहलवान विनेश फोगट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और अन्य पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ और उसके प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर दूसरे दिन मौन धरने पर बैठे रहे। उन्होंने सांसद के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। पहलवानों ने आरोप (शेष पृष्ठ सात पर)

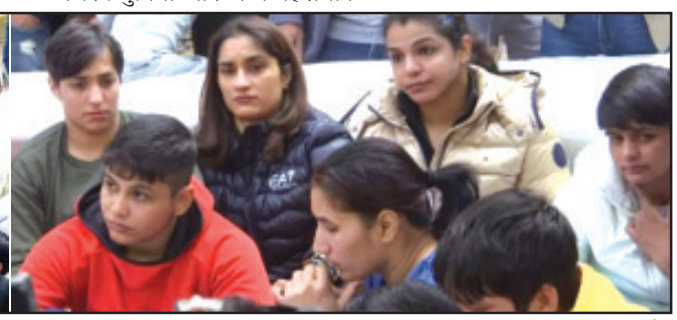

अस्पताल से फरार हुआ कैदी,हड़कम्प

रुड़की(उद ब्यूरो)। सिविल अस्पताल में ऑपरेशन के लिए लाया गया कैदी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। इससे पुलिस में हड़कम्प मच गया। फरार कैदी की तलाश में पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। जानकारी के अनुसार नन्हे उर्फ चिकना को चोरी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था वह हरिद्वार जेल में विचाराधीन कैदी के तौर पर बंद था। हर्निया की परेशानी के चलते उसे उपचार के लिए हरिद्वार अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक ना होने के कारण दो दिन पूर्व ऑपरेशन के लिए रुड़की सिविल अस्पताल रैफर किया गया। जहां गुरूवार को उसका ऑपरेशन होना था।

बताया गया है कि सुबह करीब 7:30 बजे जब उसे ऑपरेशन के लिए ले जाया जा रहा था तभी वह ड्यूटी पर तैनात सिपाही से हथकड़ी छुड़वा कर भाग निकला। सिपाही और मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने उसका पीछा कर पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। सूचना गंगनहर कोतवाली पुलिस को दी गई। जिससे पुलिस में हड़कम्प मच गया। पुलिस की कइ टीमें आरोपी की तलाश में जुटी है।

सीएम ने की जोशीमठ के राहत कार्यों की समीक्षा

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भूधंसाव प्रभावित जोशीमठ में किए जा रहे राहत कार्यों की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अभी तक क्षेत्र का 25 प्रतिशत भू-भाग, भू-धंसाव से प्रभावित है, जिसकी अनुमानित

जनसंख्या 25000 है। पालिका क्षेत्र में दर्ज भवन लगभग 4500 हैं। उसमें से 849 भवनों में चौड़ी दरारें मिल चुकी हैं। अस्थायी रूप से विस्थापित परिवार 250 हैं। सर्वे गतिमान है एवं उक्त प्रभावित परिवार तथा भवन निरंतर (शेष पृष्ठ सात पर)

लोनिवि के गेस्ट हाउस पर चला बुलडोजर

जोशीमठ में नहीं थम रहा भू धंसाव

जोशीमठ (उद ब्यूरो)। भू-धंसाव के चलते जोशीमठ में हालात लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस का जेसीबी की मदद से तोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। जोशीमठ में प्रभावितों के लिए राहत शिविर बनाए गए संस्कृत महाविद्यालय भवनों में भी बारीक दरारें दिख रही हैं। हालांकि ये पुरानी बताई जा रही हैं। होटलों को तोड़ने की शुरुआत करने के बाद अब आवासीय भवनों को ढहाये जाने की तैयारी शुरू हो गई है। अब तक 258 परिवारों को सुरक्षा की दृष्टि से शिफ्ट किया जा चुका है। जोशीमठ में भू-धंसाव नहीं रुक रहा है। अब तक शहर के 849 भवनों में दरारें आ चुकी हैं। वहीं, होटल माउंट व्यू और मलारी इन के बाद अब दो अन्य कॉमेट और स्नो क्रेस्ट होटलों में भी दरारें आई हैं। होटल आपस में मिलने लगे हैं। वहीं, तहसील भवनों के ऊपरी और निचले हिस्से में भी भू-धंसाव हो रहा है। जोशीमठ में जांच के लिए आने वाले वैज्ञानिकों और अफसर गांधी मैदान के पास जीएमवीएन के वीआईपी गेस्ट हाउस में ही ठहरते थे। बुधवार की सुबह भवन में दरार दिखते ही कर्मचारियों ने इसकी सूचना चमोली के जिला पर्यटन अधिकारी को दी। पहले गेस्ट हाउस के प्रथम तल के कक्ष संख्या 204 से 208 तक पांच कमरों की दीवार में हल्की दरारें थीं। अब देखा गया तो ये दरारें और बढ़ गईं। कमरों और कार्यालय की दीवारों पर दरारें उभरी हुई हैं। (शेष पृष्ठ सात पर)

नृसिंह मंदिर में सभी बड़े आयोजनों पर रोक

जोशीमठ(उद संवाददाता)। नृसिंह मंदिर परिसर में सभी बड़े आयोजनों पर रोक लगा दी गई है। खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया। श्रीबद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुजनों के सुझाव पर जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के आयोजन/गतिविधि पर बिना अनुमति के रोक लगा दी गई है। इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर जोशीमठ में भू-धंसाव ने भगवान बदरी विशाल के खजाने को लेकर भी चिंता बढ़ा (शेष पृष्ठ सात पर)

हल्द्वानी में नकली अंग्रेजी शराब का जखीरा पकड़ा

ओल्ड मोंक का नकली लोगो लगाकर सप्लाई की जा रही थी शराब, हरियाणा का तस्कर दबोचा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 102 पेटी नकली अंग्रेजी शराब बरामद की है। पकड़ी गयी अवैध शराब को छोटा हाथी में नमकीन के पैकेटों के साथ छुपाकर लाया जा रहा था। एसएसपी पंकज भट्ट ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि टीपी नगर गेट सामने चेकिंग के दौरान एक छोटा हाथी को रोका गया। इस दौरान जब उसमें चौक किया गया तो उसके अंदर से ओल्ड मोंक रम की बोतल की 102 पेटियां बरामद की गयी। शराब नमकीन की पैकैटो के पीछे छुपाई गई थी। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अमित जोशी सोनीपत हरियाणा बताया। पूछताछ में बताया कि वह शराब को घर में बनाते हैं और अच्छी कीमत मिलने के लालच में आर्मी की सीएसडी कैंटीन का लोगो लगा देते हैं। इस ब्राउण्ड की शराब की पहाड़ों में अच्छी मांग है, इसी मुनाफे के लिए उसने शराब की सप्लाई शुरू कर दी। फिलहाल आरोपी को जेल भेज दिया गया है। एसएसपी पंकज भट्ट ने कहा कि पूर्व में भी सीएसडी का रैपर लगी हुयी 80 पेटी शराब बरामद की गयी थी। आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि इस शराब को घर पर ही बनाया जाता है। शराब को बनाने में किन चीजों का इस्तेमाल किया गया है इसकी जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में बाईक सवार फैक्ट्री कर्मी की की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। फैक्ट्री से वापस घर लौट रहे बाइक सवार युवक को ट्रक ने ट्रक मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। मूल रूप से बकैनिया काले खां बहेड़ी बरेली निवासी 38 वर्षीय सुरेन्द्र गंगवार पुत्र कोमिल प्रसाद किच्छा के पास स्थित इंटराक फैक्ट्री के समीप रहता था और आनंदपुर स्थित मटर फैक्ट्री में काम करता था। बीती शाम वह फैक्ट्री में काम करके अपनी बाइक पर वापस लौट रहा था। इसी बीच गोकुलनगर में बाइक को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुरेन्द्र की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ लग गयी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

जीजीआईसी के पास ट्रांसफार्मर में आग लगने से मचा हड़कंप

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बनभूलपुरा स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में प्रात: अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लग जाने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं दमकल विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थाना क्षेत्रान्तर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास स्थापित किए गए विद्युत ट्रांसफार्मर में तेज धमाके के साथ अज्ञात कारणों के चलते (शेष पृष्ठ सात पर)

बैंक लिमिट बनाने के नाम पर महिला से 35 लाख ठगे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर में लोगों से धोखाधड़ी के मामले थम नहीं ले रहे हैं। हालाकि धोखाधड़ी से बचने के लिए पुलिस लगातार लोगों को जागरूक भी कर रही है बावजूद इसके कई लोग जालसाजो के झांसे में आकर अपनी जमा पूंजी गंवा रहे हैं। अब ठगी का एक और मामला सामने आया है जिसमे एक महिला को बैंक में 7 करोड़ की लिमिट बनाने का झांसा देकर एक व्यक्ति ने 35 लाख रुपये ठग लिए । पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है नवाबी रोड निवासी एक महिला ने अपने महिला मित्र से रामकिशन नाम के व्यक्ति से मुलाकात करवाई। जहाँ रामकिशन ने उसे बैंक आफ बडौदा से 7 करोड़ की ओडी लिमिट बनाने का भरोसा दिलाया। इसके एवज में 55 लाख रुपये खर्च होने की बात कही। जिसके बाद पीड़ित महिला देवकी ने रामकिशन के कहने पर मनोज कुमार नाम के व्यक्ति के अंकाउट में 54000 रूपये ट्रांसफर किए। इस दौरान रामकिशन ने महिला से लोन के लिए सभी तरह(शेष पृष्ठ सात पर)

जोशीमठ वासियों के समर्थन में दिया धरना

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जोशीमठ वासियों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित के लिए भाकपा (माले),अंबेडकर मिशन एंड फाउंडेशन,बस्ती बचाओ संघर्ष समिति बनभूलपुरा, क्रालोस, ऐक्टू, अखिल भारतीय किसान महासभा,(शेष पृष्ठ 7 पर)

अच्छा-अच्छा भगवान का,बुरा-बुरा शैतान का

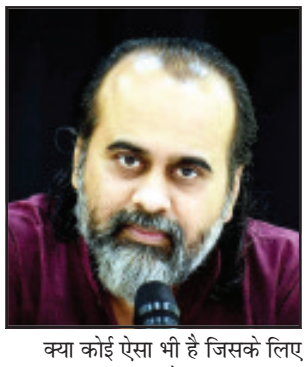

जो कठिनतम है उसे साध लो, बाकी अपने आप आसान हो जाएगा : आचार्य प्रशांत

क्या कोई ऐसा भी है जिसके लिए कृष्ण अभिव्यक्त नहीं हैं ? अपनी ओर से तो कृष्ण अभिव्यक्त-ही-अभिव्यक्त हैं, हमारी ओर से अभिव्यक्त नहीं हैं वो। तो ऐसा निश्चित रूप से कोई है जिसके लिए कृष्ण नहीं हैं वो हम हैं। हमें कृष्णत्व दिखाई दे तो कृष्णत्व है, हमें कृष्णत्व न दिखाई दे तो हमारे लिए तो नहीं है । चौथा अध्याय, ग्यारहवाँ श्लोक: कृष्ण कहते हैं कि जो मुझे जैसा देखता है, जैसा भजता है, मैं भी उसके लिए वैसा ही हो जाता हूँ। तुम मान लो कि जगत में कृष्ण नहीं हैं तो जगत वास्तव में तुम्हारे लिए कृष्णहीन ही हो जाना है। कृष्णहीन जगत कैसा होगा? आनंदहीन। जो मान ले कि जगत कृष्णहीन है, जगत उसके लिए कृष्णहीन हो जाएगा। तुम जो मानोगे, तुम्हारा संसार वैसा ही हो जाएगा। और यह कृष्ण की इच्छा है, उन्होंने पूरी मुक्ति दे रखी है जीव को। वो कहते हैं कि मुझे पाना है या नहीं पाना है, तुझे यह मुक्ति भी, यह चुनाव, यह विकल्प भी उपलब्ध है। तू जगत में मुझे देखना चाहे तो देख, नहीं देखना चाहता तो मत देख। हाँ, यथार्थ सुनना चाहता है मेरी तरफ का तो मैं बता देता हूँ कि सब कुछ मैं ही हूँख्रयह यथार्थ है। और फिर उपाय बताया है उन्होंने स्वयं को पाने का। उपाय यह है कि जो कुछ इस जगत में उच्चतम है, तू उसको पाने की साधना कर । है तो इस जगत में जो कुछ भी, वह मेरी ही अभिव्यक्ति है, लेकिन यह बात तुझे दिखाई नहीं देगी। यह बात दिखाई देने का उपाय क्या है? कि जो कुछ भी ऊँचे-से-ऊँचा है जगत में, उसे पाने निकल। जब ऊँचाई की साधना करेगा तो कृष्ण को पा लेगा। तो यह बात दोतरफा हो गई है। कुछ विरोधाभासी हो गई है, इसको समझना पड़ेगा। जुए में भी कृष्ण हैं, जो निकृष्टतम छल चल रहा है, उसमें भी कृष्ण हैं। इस जगत के पातालों में, गड्ढों में, गंदी और नारकीय जगहों में भी कृष्ण ही हैं। लेकिन कृष्ण हैं उन सब जगहों में, यह तुम्हें अगर जानना है तो तुम्हें उन जगहों को छोड़ना पड़ेगा, तुम्हें उठना पड़ेगा उच्चतम की ओर, जैसे कि कोई अगर पहाड़ के शिखर पर चढ़ जाए तो उसे बहुत दूर तक सब साफ दिखाई देने लग जाता है, जैसे कि कोई हवाई जहाज पर बैठ जाए तो उसे नीचे का पूरा परिदृश्य स्पष्ट हो जाता है। दुनिया में कृष्ण ही हैं, कृष्ण की ही दुनिया है, लेकिन यह बात समझोगे तब, जब तुम दुनिया से ऊपर उठोगे। जो दुनिया में ही रंजित है, जो दुनिया से ही लिपटा हुआ है, उसे कभी समझ में नहीं आएगा कि यह दुनिया चीज क्या है।'दुनिया क्या है?', अगर यह समझना है तो दुनिया से ऊपर उठो। इसीलिए कृष्ण एक तल पर यह कहते हैं कि मैं ऋग्वेद हूँ, यजुर्वेद हूँ, सामवेद हूँ और फिर यह भी कहते हैं कि मैं वेदों में सामवेद हूँ। यह क्या बात है? अभी तो कह रहे थे कि चारों वेद मैं ही हूँ और अब कह रहे हैं कि मैं वेदों में सामवेद हूँ, यह क्या बात है? सब कुछ वहीं हैं, लेकिन सब कुछ वही हैं, यह जानने का उपाय है ऊपर उठना। जो ऊँचे-से-ऊँचा है, उसकी ओर जाओ, नीचा अपने-आप समझ में आ जाएगा। जो कठिनतम है, उसको साध लो, बाकी सब अपने-आप आसान हो जाएगा। ब्रह्मविद्या को कठिनतम कहा गया है। कहा गया है कि जो बिल्कुल समझ में न आने वाली चीज है, वह ब्रह्मविद्या है। जैसे यही कि मैं सब कुछ हूँ लेकिन सब चीजों में जो ऊँचे-से-ऊँचा है, वह मैं हूँ। मैं गोरैया भी हूँ, मैं कौवा भी हूँ, मैं तोता भी हूँ, मैं मैना भी हूँ। और फिर कहते हैं कि मैं तो पक्षियों में गरुड़ हूँ। थोड़ी देर पहले तो कह रहे थे तोता हूँ, मैना हूँ, कोयल हूँ, कौआ हूँ और अब क्या बोल रहे हैं? मैं तो जी गरुड़ हूँ। तो विद्याओं में सबसे क्लिष्ट और सबसे कठिन ब्रह्मविद्या है क्योंकि दिमाग को झंझोर डालती है। यह सामान्य तर्क पर चलती ही नहीं, इसमें विरोधाभास है। बाकी सब ज्ञान के जो क्षेत्र हैं, वो तार्किक होते हैं, उनमें अंतर्विरोध नहीं होते। दो और दो कभी चार और कभी पाँच नहीं हो सकता, यह नहीं कहेंगे आप कि पिछले अध्याय में दो और दो चार था, इस अध्याय में दो और दो पाँच हो गया। गीता में बात पलट जाती है। सातवें अध्याय में कुछ और है और नौवे, दसवें में कुछ और है। और बातें दोनों ही सही हैं। जो विरोधाभास को साथ लेकर चल सके, वह मानवों में उच्चतम है। नहीं तो आदमी कहता है कि बता दो यह सफेद है या काला, या तो सफेद होगा या काला होगा। जो यह समझ पाए कि सफेद होकर भी काला है और कालेपन में ही सफेदी है, वह समझ लो आदमियों में सर्वश्रेष्ठ हो गया, नरश्री हो गया। जिसने ब्रह्मविद्या सीख ली है, उसको बाकी सब चीजें बड़ी आसानी से आ जाती हैं, वो किसी भी कला में पारंगत हो जाएगा, वह किसी भी विज्ञान को बड़ी आसानी से सीख लेगा। उच्चतम को पा लिया नीचे वाले तो सब सध ही जाते हैं,। फिर समझिएगा, कृष्ण की दृष्टि से सब कुछ वो ही हैं। अच्छे वाले भगवान वो नहीं हैं , दयानिधान, करुणानिधान, सब अच्छा-अच्छा करने वाले। वो कह रहे हैं कि जुआ में भी मैं हूँ, हत्या में भी मैं हूँ, जन्म में मैं हूँ, तो मृत्यु में भी मैं ही हूँ। साफ जगहों में मैं हूँ, तो गंदी जगहों में भी मैं ही हूँ। सब कुछ मैं ही हूँ। द्वैत के दोनों सिरों पर मैं हूँ। यह मत कह देना कि ईश्वर तो दयालु है, न्यायप्रिय है, सब जीवों से प्रेम मात्र करता है। वो कह रहे हैं कि नहीं, प्रेम-व्रेम की कोई बात नहीं है। जीव जैसा मुझे देखता है, वैसे ही मैं जीव को देखता हूँ, प्रेम वगैरह की कोई बात नहीं। तुम मेरे लिए जैसे हो, मैं बिल्कुल वैसा ही हूँ तुम्हारे लिए। यह सब हटा दो कि वहाँ पर बूढ़ा परमपिता बैठा हुआ है।जो सबके ऊपर प्रेम-पुष्प बरसा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं है। तुम मेरी उपेक्षा करो, मैं तुम्हारी उपेक्षा कर दूँगा। कृष्ण बहुत आगे की बात कर रहे हैं। कृष्ण हमारे सिद्धांतों पर नहीं चलेंगे, और वो यह भी कह रहें हैं कि मैं तुम्हारी प्रार्थनाओं पर नहीं चलता; मैं कर्मफल पर चलता हूँ। हम सोचते हैं कि जाएँगे भगवान के सामने, प्रार्थना वगैरह करेंगे, काम हो जाएगा। वे कह रहे हैं कि यह सब कुछ नहीं, मैं तो योग्यता देखता हूँ, मैं तो कर्मों का फल देखता हूँ। तो कृष्ण ने जब पूरी माया ही रची है तो उस माया में जो तथाकथित अच्छाइयाँ है, वो भी कृष्ण की और जो तथाकथित बुराइयाँ है, वो भी कृष्ण की। यह यथार्थ है संसार का, प्रकृति का, माया का। लेकिन इस यथार्थ को समझने के लिए आपके पास एक ही तरीका है, वह तरीका यह है कि इस दुनिया के क्षेत्र में जो ऊँची-से-ऊँची जगह आप हासिल कर सकते हैं, वो करें। ऊँची-से-ऊँची जगह से मतलब यह नहीं है कि नेता बन जाओ या पदवी इकट्ठी कर लो, अफसर बन जाओ; चेतना के तल की ऊँचाई हासिल कर लो, फिर वह बात समझ में आएगी कि सब कुछ कृष्ण का है। तो एक बात यथार्थ की है और दूसरी बात उपाय की है। गरुड़ हो जाओ फिर समझ जाओगे कि कोयल, कौवा, तोता, मैना, सब कृष्ण हैं। गरुड़ हुए बिना नहीं समझ पाओगे। ऊँचाई हासिल करो फिर यथार्थ समझ में आएगा। ऊँचाई जब तक हासिल नहीं करोगे तब तक यही कहते रहोगे कि अच्छा-अच्छा भगवान का, बुरा-बुरा शैतान का। कृष्ण कह रहे हैं कि भगवान तो मैं हूँ ही, बेटा, शैतान भी मैं ही हूँ। ऐसा ही है, अद्वैत। दो हैं ही नहीं। तुमने तो भगवान और शैतान अलग-अलग कर दिए, हमारे यहाँ अद्वैत है, एक। वही माया फैला देता है और वही गुरु बनकर प्रकट हो जाता है माया काटने के लिए, यही उसके दो रूप हैं। सत्य के समझ लो दो बाजू हैं ख्र एक माया और एक गुरु। माया उसने फैला रखी है जीव को भरमाने के लिए और फिर गुरु को भेज दिया बीच में माया को काटने के लिए। बस ऐसा ही है। 'कृष्ण' शब्द का अर्थ है वह जो आपको खींचे, जिसमें कर्षण हो, कर्षण। जिसमें कर्षण हो सो कृष्ण। आकर्षण जानते हैं न, वैसे ही कर्षण जो आपको खींचे। तो चेतना को जो खींचे ले रहा है, जिसके लिए आपका मन व्याकुल है, उसका नाम कृष्ण। और जैसे ही यह बात आती है वैसे ही अध्यात्म फिर अरुचिपूर्ण लगने लग जाता है। लोग अध्यात्म में भी पाने ही आते हैं कि कुछ मिल जाएगा। यहाँ पाने का खेल ही नहीं है, मिटाने की बात है। व्यर्थ की चीजें छोड़ दो, कृष्ण की प्राप्ति पहले ही हो चुकी है, दिख जाएगा। कृष्ण आपको तब भी प्राप्त थे, जब आप नहीं थे, निरंतर मुझमें मन लगाने वाले और मुझमें ही प्राणों को अर्पण करने वाले भक्तजन मेरी भक्ति की चर्चा के द्वारा आपस में मेरे प्रभाव को जानते हुए तथा गुण और प्रभाव सहित मेरा कथन करते हुए ही निरंतर संतुष्ट होते हैं और मुझ वासुदेव में ही निरंतर रमण करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता, सब कल्पित हो सकता है, ज्ञात व अज्ञात। कह रहे हैं कि साधना और परम की चर्चा वास्तव में एक कल्पित ज्ञात की एक कल्पित अज्ञात को पाने की कोशिश है। एक कल्पित ज्ञात से प्रश्नकर्ता का आशय है अहम्, वह जो कुछ पाने की कोशिश कर रहा है और कल्पित अज्ञात से आशय है वह जिसको पाने की कोशिश की जा रही है। तो कह रहे कि यह सब कुछ वही तो है कि एक काल्पनिक इकाई एक दूसरी काल्पनिक इकाई को पाने की कोशिश कर रही है। कौन सी काल्पनिक इकाई? यह जो 'मैं' हूँ, यह दूसरी काल्पनिक इकाई को पानी कोशिश कर रही है जिसका नाम है सत्य, परमात्मा या कृष्ण इत्यादि। तो कह रहे हैं कि यह तो सब कल्पना कल्पना का खेल हुआ, ? वासुदेव में निरंतर रमण करना कुछ नहीं होता, बात यह है कि हम अपने में रमण करते रहते हैं। हमारा रमण, भ्रमण सब अपने ही भीतर होता है। वासुदेव में रमण करने से आशय है अपने से बाहर आना। अपने से बाहर क्या है? इसकी कोई चर्चा नहीं, बातचीत का मुद्दा नहीं है वह। तुम अपनी कालकोठरी से बाहर आ जाओ, यही बहुत है। अपने भीतर रमण करना छोड़ो, यही बहुत है। अपने भीतर रमण करने का प्रमाण होता है 'मैं'। तुम्हारे सब विचारों में 'मैं' बैठा होगा। तुम्हारी सब चिंताओं में 'मैं' बैठा होगा। तुम्हारे सब संबंधों में 'मैं' बैठा होगा। तुम्हारी हर योजना में 'मैं' बैठा होगा। इसे कहते हैं अपने ही भीतर रमण करना। अपने से बाहर आने का मतलब है 'मैं' के प्रति जरा अगंभीर हो जाना, 'मैं' को उसका स्थान याद दिला देना। कहना कि तुम इतने भी जरूरी नहीं हो, इतने भी बड़े या आवश्यक नहीं हो कि हर जगह तुम घुसे ही रहो। छोटे से हो तुम, चलो वहाँ कोने में बैठो! इसको कहते हैं अपने भीतर रमण करने से बाहर आना। फिर पूछा है, "क्या जीव के लिए द्वैत का निरंतर बना रहना निश्चित है?" द्वैत का निरंतर बना रहना निश्चित है लेकिन जीव के लिए द्वैत बना रहे , यह आवश्यक नहीं। अंतर समझो। द्वैत तो रहेगा, किसके लिए द्वैत रहेगा? उसके लिए जो द्वैत में है। मस्तिष्क के लिए तो द्वैत रहेगा क्योंकि बिना संसार के मस्तिष्क हो नहीं सकता और बिना मस्तिष्क के संसार हो नहीं सकता। मस्तिष्क के लिए तो द्वैत रहेगा। हाथों के लिए तो द्वैत रहेगा, जहाँ हाथ है, वहाँ जगत है। देखो हाथ जब भी है, कहाँ है? जगत में ही तो होगा न, जगत नहीं तो हाथ नहीं। तुम्हारे लिए द्वैत रहे, यह आवश्यक नहीं है। तुम द्वैत से मुक्त हो सकते हो। तुम कह सकते हो कि हाथ के लिए संसार है, संसार के लिए हाथ है, मैं इन दोनों का खेल देख रहा हूँ, तमाशे की तरह। मेरे लिए ये दोनों तमाशा हैं। मस्तिष्क के लिए संसार है, संसार के लिए मस्तिष्क है, मेरे लिए ये दोनों तमाशा हैं। तो अब द्वैत है तो तुम्हारे लिए नहीं है, तुम्हारे लिए क्या है? तमाशा। यह कोशिश मत करना कि द्वैत मिट जाए। जिसके लिए द्वैत है, उसके लिए रहेगा ही। हाँ, तुम्हारे लिए मिट सकता है, तब मिटेगा जब तुम्हारे लिए यह सब कुछ बस एक खेल बन जाए, तमाशे की तरह देखो, 'बाजीचा-ए- अतफाल दुनिया मेरे आगे, होता है शब-ओ-रोज तमाशा मेरे आगे'। बच्चे का खेल है, चल रहा है। ये मस्तिष्क क्या है? बच्चा ही तो है, कुछ समझता थोड़ी ही है, नादान। हम देख लेते हैं इसकी नादानियों को। कभी गुस्सा आता है, हम देख लेते हैं, "अच्छा! गुस्सा गए, साहब, ठीक है।" तुम गुस्साओ, हम देख लेंगे। जिनके घरों में छोटे बच्चे हैं, उन्होंने उनके खूब रंग देखे होंगे। गुस्साते भी हैं, पाँव भी पटकते हैं, हँस भी देते हैं, रोते खूब हैं। जितने हाव-भाव किसी भी वयस्क में हो सकते हैं, बच्चों में भी होते हैं। पर बच्चों के हाव-भाव देखकर आप कोई बड़ी प्रतिक्रिया थोड़ी ही दे देते हो। आप क्या करते हो? हँस लेते हो, तमाशे की तरह देख लेते हो, गंभीरता से थोड़ी ही ले लेते हो। मस्तिष्क को भी ऐसे लेना होता है। इसे कहते हैं द्वैत से मुक्ति। आम जिंदगी में जीवन के ऊपर जैसे बोला जाता है कि जीवन आनंद है पर मृत्यु की कोई बात इसमें आती नहीं है। जैसे आध्यात्मिकता में भी आप देखे लोगों को तो मृत्यु पर कुछ ज्यादा चर्चा नहीं होती है। मौत से डरे हुए हैं न। जो असली थे, उन्होंने तो सौ बार मौत की बात करी। यहाँ साखी ग्रंथ रखा है कबीर साहब का, उसमें 'काल को लेकर अंग' है पूरा। काल को ले करके दो-चार साखियाँ, दो-चार दोहे नहीं हैं, काल का पूरा एक अध्याय जिसमें मात्र काल की और मृत्यु की ही बात है। गुरुग्रंथसाहिब उठाइए, उसमें बार-बार, बार-बार मृत्यु की बात है। जीजस का जीवन देखिए, उस जीवन का शिखर ही है मृत्यु का उनका सहर्ष वरण। आज अगर आप पाएँ कि अध्यात्म में जो लोग हैं, वो मृत्यु की बात करने से घबरा रहे हैं, तो बात बस यही है कि वो घबराए हुए हैं। जो घबराएगा, वह कतराएगा। वो कहते हैं कि जीवन आनंद है। जो जीवन मृत्यु से समाप्त हो जाने वाला है, वह आनंद कैसे हो सकता है? जिस जीवन को आनंद बताया गया है, वह भौतिक नहीं आत्मिक जीवन है। भौतिक जीवन तो कष्ट से परिपूर्ण है। आनंद है वह जीवन जो न कभी शुरू होता है, न कभी खघ्त्म होता है। यह जिसको आप कहते हैं जिंदा होना, इस जिंदगी में आनंद हो ही नहीं सकता। हम तो जिंदगी इसको समझते नहीं कि एक आदमी है, चल-फिर रहा है, साँस ले रहा है, खाना-पीना खा रहा है तो उसको कह देते हैं कि जिंदा है, इसमें नहीं आनंद हो सकता है। जिस जीवन में आनंद है, वह वो जीवन है जो कभी शुरू ही नहीं होता। वो उस जीव के लिए है जो कभी जन्म ही नहीं लेता, वो उस जीव के लिए जिसकी कोई मृत्यु नहीं। सच्चे गुरु की पहचान यह होगी कि वह बार-बार, बार-बार आपको जीवन की निस्सारता से परिचित कराएगा और आपका ध्यान मृत्यु की ओर खींचेगा बार-बार। और झूठे वक्ताओं की पहचान यह है कि वो मौत से बहुत कतराएँगे, मौत से बहुत खौफ खाएँगे, मौत के बारे में कुछ बोलेंगे ही नहीं, मौत की बात ही नहीं करेंगे, बार-बार यही कहेंगे कि श्लेट्स मेक लाइफ ब्यूटीफुल'। कभी बताएँगे नहीं कि लाइफ माने क्या। हाँ, लाइफ शब्द का इस्तेमाल बार-बार करेंगे, जीवन-जीवन करेंगे, जीवन क्या है, यह कभी नहीं बताएँगे। क्योंकि उनके अनुसार जीवन है ही यह हाड़-माँस के पुतले का गतिशील होना। उनके जीवन की परिभाषा ही यही है ख्र हाड़-माँस का पुतला चल रहा है तो लाइफ'। और वो बार-बार कहेंगे, "लाइफ वेल वीइंग', 'लाइफ वेल वीइंग', पर कभी बताएँगे नहीं कि लाइफ क्या, लाइफ माने क्या। उनके अनुसार लाइफ यही है प्रकृति, इसको वो लाइफ समझते हैं। और आपने बात करी उनकी जो मोटिवेशनल (प्रेरणास्पद) बातें करते हैं। उनके लिए तो बहुत जरूरी है कि वह आपको याद ही न आने दे कि आप मरोगे। वो तो आपके अहंकार को बिलकुल झाड़ पर चढ़ा देना चाहते हैं और मौत का तथ्य जब सामने आता है तो अहंकार चित मुँह के बल गिरता है धूल में। तो आपको तो मौत याद भी आ रही होगी तो कहेंगे कि, "नहीं, मौत-वौत कुछ नहीं, तू जिंदा रहेगा, तू आगे बढ़। बस तू भाग मिल्खा। कर सकते हो, तुम कर सकते हो, तुम बढ़ो तो, तुम इरादा तो करो, तुम कर सकते हो।"

राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न

बागेश्वर(उद संवाददाता)। उत्तरायणी मेले पर जिला प्रशासन एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन अतिथियों द्वारा विजेता व उपविजेताओं को मेडल व शील्ड देकर हुआ। बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड़ बैडमिंटन एसोसिएशन सचिव बीएस मनकोटी ने प्रतियोगिता के सफलता पूर्वक संपन्न होने पर जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि सरकार खेलों को बढावा देने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। इनडोर स्टेडियम में आयोजित विभिन्न आयु वर्ग में आयोजित प्रतियोगिताओं में अंडर-15 एकल बालिका वर्ग में अंजिल, डबल में अंजिल पुनेरा व ममता तो वहीं अंडर-15 एकल बालक वर्ग में मनीष सोनाल, डबल में मृदुल पांडे व मनीष सोनाल विजेता रहें वहीं अंडर-15 एकल बालिका वर्ग सालोनी नेगी, डबल में अराध्या बिष्ट व अनुष्या भण्डारी तो अंडर-15 एकल बालक वर्ग में मृदुल

पांडे तो डबल में भरत दानू व साहिल खिंचयाल उपविजेता रहे। ओपन पुरूष वर्ग के एकल में मोहित तिवारी तो महिला एकल में ऐश्वर्या विजेता रही तो पुरूष डबल में मोहित तिवारी व हिमांशु तिवारी तथा महिला डबल में लोवनिया कार्की व अंजिल उप विजेता रहे। ओपन मिक्स डबल में विजेता सचिन व अंजिल तथा मिक्स में अनुराधा पाल व मनीष पांडे विजेता तो जगदीश परिहार व नीरू भट्ट उपविजेता रहे। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने सभी का अभिनंदन करते हुए जिला खेल एसोसिएशन को प्रतियोगिता को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए बधाई दी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी संजय सिंह, अपर जिलाधिकारी सीएस इमलाल, उपजिलाधिकारी हरगिरि, रामअवतार सिंह, प्रशांत जोशी, केसर सिंह, खेल प्रयोजक केनरा बैंक प्रबंध क हरीश सिंह, प्रबंधक आइडीबीआइ अमित कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी एसएल वर्मा, मंयक बंसल, अनिल कार्की, विजय कर्नाटक, भरत रावल, के साथ ही चीफ रेफरी प्रशांत जोशी, विजय कर्नाटक समेत खिलाडी मौजूद मंयक बंसल व ऐश्वर्या उपविजेता रहे। पुरूषों के वेटरन्स डबल में मनीष पांडे व युगल गौड विजेता तो उपविजेता विपिन कर्नाटक व संजय वर्मा रहे, वहीं वेटरन्स

स्मैक संग तस्कर दबोचा

सितारगंज(उद संवाददाता)। क्षेत्र में स्मैक तस्करी रोकने को लेकर चलाए गए अभियान में पुलिस ने तस्कर के पास से 10.65 ग्राम स्मैक बरामद कर धर दबोचा है। उप निरीक्षक संजय सिंह बोरा ने दर्ज कराई प्राथमिकी में आरोप लगाया कि पुलिस टीम शहर के एमपी चौक के पास गश्त पर थी। इस दौरान संदिग्ध खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम के संदिग्ध के नजदीक जाते ही वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। जामा तलाशी लेने पर वार्ड नंबर 3 निवासी सलीम पुत्र जमील अहमद के पास से 10.65 ग्राम स्मैक बरामद हुई। उसने

पूछताछ में बताया कि आफताब नाम का युवक सोनू से उसे स्मैक खरीदने में सहयोग करता है। पुलिस ने मामले में अभियोग दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

भाजपा नगर मण्डलों की सूची जारी होने के बाद कई खुशी कहीं नाराजगी

कार्यकर्ताओंको मनाने के लिए पार्टी के नेता जुटे

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। भाजपा के उधमसिंह नगर जिले के 14 मंडलों के अध्यक्षों की बहुप्रतीक्षित सूची घोषित होने के बाद कार्यकर्ताओं में कहीं खुशी कहीं गम का माहौल है। सूची जारी होने के बाद कई कार्यकर्ता नाराज है। रूद्रपुर से नगर मण्डल अध्यक्ष की दौड़ में शामिल ललित बिष्ट ने तो इस्तीफा भी दे दिया है। जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट की संस्तुति के बाद बुधवार रात मंडल अध्यक्षों की घोषणा की। रुद्रपुर उत्तरी मंडल में धीरेश गुप्ता, दक्षिणी मंडल में धर्म सिंह कोली, पंतनगर में अनिल यादव, किच्छा ग्रामीण में अक्षय अरोड़ा, किच्छा नगर मनमोहन सक्सेना और बरा मंडल अध्यक्ष उमेश मिश्रा को बनाया गया है। शक्तिफार्म मंडल में विष्णु प्रमाणिक, सितारगंज में आदेश चौहान, नानकमत्ता में ध्रुव सिंह राणा, झनकट में विमला बिष्ट, नौसर में सोमनाथ मौर्या, खटीमा नगर में जीवन सिंह धामी और चकरपुर मंडल अध्यक्ष पद पर विक्रम सिंह भाट को मनोनीत किया गया है। काशीपुर में महुआडाबरा में गौतम गिरि, जसपुर में राजकुमार चौहान, भरतपुर मेघावाला में राजकुमार गुंबर, काशीपुर नगर में अभिषेक गोयल, आवास विकास मंडल में रजत सिद्धू, काशीपुर ग्रामीण में बृजेश पाल, महुआखेड़ागंज में संजीव कुमार, कुंडेश्वरी में परमिंदर सिंह विर्क, सुल्तानपुर पट्टी में राजेश सैनी, बाजपुर में बिट्टू चौहान, केलाखेड़ा में महेंद्र कालरा, गदरपुर में सुरेश खुराना, दिनेशपुर में अनादि रंजन मंडल अध्यक्ष बने हैं। जिलाध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देकर संगठन की मजबूती के लिए बेहतर और तालमेल के साथ काम करने की अपेक्षा जताई है। सूची जारी होने के बाद कई कार्यकर्ता नाराज हैं। जिन्हें मनाने के लिए पार्टी के नेता जुट गये हैं।

कथा में पहुंचने पर मीना शर्मा को किया सम्मानित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने श्री सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का रसपान किया। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा ने कथावाचक का मंच पर पहुंचकर शॉल ओढ़ाकर एवं बुके प्रदान कर स्वागत किया एवं आशीर्वाद ग्रहण किया।वही श्री बालाजी मंदिर के महंत रमेश वशिष्ठ एवं समिति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्रीमती शर्मा को भी पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर भव्य स्वागत किया। बाद में देर रात्रि तक श्रीमती शर्मा ने श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया।इस अवसर पर मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा था।

शीघ्र आवश्यकता है

SAMPURNA JEEVAN DHAN NIDHI LIMITED (BANKING SERVICES) को

1.**रिसेप्शनिष्ट(महिला)**-(1),**योग्यता**-स्नातक एवं कम्प्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा,अनुभवी को वरीयता (वेतन योग्यतानुसार)
2. **कम्प्यूटर ऑपरेटर कम एकाउन्टेंट**-(1)**योग्यता**-**B.C.A. /बी.कॉम,** अनुभव-दो वर्ष, (वेतन योग्यतानुसार)
3. **सेल्स एक्जीक्यूटिव**- (25), **योग्यता**-हाईस्कूल,अनुभवी को वरीयता स्वयं का दो पहिया वाहन होना अनिवार्य (वेतन-20,000+इन्सेंटिव)
4. **मैनेजर**- (1) योग्यता-स्नातक+एमबीए (अनुभव 2 वर्ष) (वेतन योग्यतानुसार)
5. **सेल्स एक्जीक्यूटिव (महिला एवं पुरूष) -पार्ट टाईम**(कमीशन के आधार पर)
6. **ड्राईवर** (1) योग्यता आठवीं पास

बॉयोडाटा एवं प्रमाण पत्रों सहित 10 से सायं 4 बजे तक सम्पर्क करें।

पता- 7&8 **,रुद्रा ऑर्केड कॉम्प्लैक्स प्लॉट नं.12,नैनीताल हाईवे,(31,बी वाहिनी पी.ए.सी. गेट के सामने) आवास विकास, रुद्रपुर जिला-उधम सिंह नगर**
Ph.7055903977,7579280778,05944-240875,05944-297127
www.sampurnajeevan.com

भाजपा मंडल अध्यक्ष बनने पर चौहान का जोरदार स्वागत

सितारगंज(उद संवाददाता)। आदेश चौहान के भारतीय जनता पार्टी के सितारगंज मंडल अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओ ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत करते हुये मिष्ठान वितरण किया। गुरुवार को नगर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता मुख्य चौराहे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष आदेश चौहान का जोरदार तरीके से स्वागत एवं सम्मान करते हुये जमकर आतिशबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि आदेश चौहान के मंडल अध्यक्ष बनने पर उनके नेतृत्व में टीम और सशक्त और मजबूत बनेगी। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सलूजा, राकेश त्यागी, सुरेश जैन, भीमसेन गर्ग, महेश मित्तल, अनिरुद्ध राय, दीपक गुप्ता, सुमन राय, धर्मा देवी, दीपक चौरसिया, सौरभ सक्सेना, अरविंद श्रीवास्तव, सरफराज अंसारी, सुलोचना रावत, मंजीत सिंह ज्ञानी, ललित जोशी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अरोरा डेन्टल केयर

Dental Facilities / सुविधायें

डॅंटल इंप्लान्ट की सुविधा आसान किस्तों में उपलब्ध

- दांतों की नसों का इलाज / RCT
- फिक्स दांत लगाना / Crown, Bridge & Dental Implant
- नकली दांतों का जखड़ा लगाना / Complete Denture
- टेढ़े-बेढ़े दांतों को सीधा करना / Ortho Treatment
- दांतों के रंग की फिलिंग / Composite Filling
- मसूड़ों द्वारा पायरिया का इलाज / Ultrasonic Scaling

डा. गगनदीप गुम्बर
B.D.S.,PGDHA
(Oral Implantologist)
M.9857081085

डा. अमरप्रीत सिंह अरोरा
B.D.S.,(Dental Surgeon)
M.9997327642

(15 साल का अनुभव)

1. J.K. Tower, Near Navrang Sweets, Janta Inter Collage Road, Rudrapur
2. Doctor Colony Gali No.1 Near Ahan Hospital, Rudrapur

बीजेपी किसान मोर्चा ने ब्लाक कृषि अधिकारी से की मुलाकात

गदरपुर(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया ने ब्लाक कृषि अधिकारी अनिल अरोरा से मुलाकात कर किसानों के हितों में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में वार्तालाप किया गया। इस दौरान बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देश के किसानों के लिये पीएम किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, जैविक खेती योजना सहित कई अन्य योजनाओं को सरकार द्वारा चलाया जा रहा हैं जिसके विषय पर ब्लाक कृषि अधिकारी अनिल अरोरा से वार्तालाप कर किसानों को इन योजनाओं के लाभ लेने के प्रति जागरुक करने के लिये कहा गया।इस दौरान कहा कि किसानों के साथ भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा हमेशा उनके साथ खड़ी है। इस मौके पर हरलोक सिंह नामधारी, संदीप गुम्बर, राजपाल सैनी व दीपक हुड़िया आदि लोग मौजूद रहे।

आपसी भेदभाव मिटाकर परमात्मा की भक्ति से जुड़ें: बाबा ब्रह्म दास

गदरपुर(उद संवाददाता)।श्री गुरुनानक देव जी के आदर्शों का पालन करने के साथ गुरद्वारा बाबा भूमणशाह मरदान मजरा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के 14 अखंड पाठों के भोग के उपरांत हरियाणा के सिरसा से आए बाबा भूमन शाह के 12 वें गद्दी नशीन बाबा ब्रह्म दास द्वारा गुरु नानक देव जी और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के उद्देश्यों पर चलकर अपने जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। उन्होंने गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को बाबा भूमन शाह के स्मृति दिवस पर मनाए जाने वाले कार्यक्रमों पर धन्यवाद दिया। इस अवसर पर गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी मरदान मजरा के अध्यक्ष हाकमराम ने बताया कि पाकिस्तान के ओकाड़ा क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में 14 अप्रैल 1687 को बाबा भूमन शाह जी का जन्म हुआ था उन्होंने पूरा जीवन समाज कल्याण कार्यों तथा नाम स्मरण के साथ नेक कमाई का उपदेश देते हुए बिताया 1762 में उन्होंने अपने शरीर का चोला छोड़ा तब उक्त डेरे की जमीन 18000 एकड़ थी 1947 में भारत-पाक बंटवारे के उपरांत हरियाणा के सिरसा तहसील में मात्र 1800 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई जिस पर गुरद्वारा मंदिर धर्मशाला निर्माण कार्य करके धार्मिक कार्य किए जाते हैं। उन्होंने बताया की ग्राम मरदान मजरा जिला उधम सिंह नगर में बंटवारे के उपरांत हजारों की गिनती में विस्थापित होकर पहुंचे किसानों मजदूरों एवं अन्य मेहनत का शो द्वारा क्षेत्र की जमीन को बंजर से उपजाऊ बनाते हुए अपना योगदान दिया गया वही 60 दशक पूर्व मरदान मजरा में बाबा भूमन शाह के नाम से मंदिर एवं गुरुद्वारा साहिब की स्थापना की गई जहां हर माह और हर वर्ष भरी समागम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर दूरदराज से हजारों की संख्या में संगत ने अपनी मन्नतें पूरी करते हुए अखंड पाठ तथा गुरु के लंगर में हिस्सा डाला 2 दिन चले भारी जोड़ मेले में पहुंचे दुकानदारों द्वारा अपनी सहभागिता प्रदान की गई लोगों ने मन्नत मानकर अगले वर्ष माघ सक्रांति की पंचमी पर होने वाले धार्मिक समागम के लिए संकल्प लिया इस मौके पर गुरदयाल सिंह, प्रीतम दास,ग्रंथि विजेंदर सिंह ,दर्शन सिंह, अमर सिंह, देशराज ,कश्मीर चंद, पूर्ण चंद, विपिन कुमार सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

पुलिस लाईन से संचालित होगी हवाई सेवा

छात्रों ने की चालीस फीसदी कमाई डिग्री कॉलेज को देने की मांग

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिले के प्रमुख एतिहासिक उत्तरायणी मेले में पहली बार होलिकाप्टर सेवा संचालित करने की योजना को छात्र संघ ने पलीता लगा दिया।छात्र संघ ने डिग्री कालेज खेल मैदान से बिना प्राचार्य की स्वीकृति के होलीकॉप्टर सेवा संचालित करने का विरोध किया। वही मामले में प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा,वही ज्ञापन के बाद जिलाधिकारी ने भी कॉलेज प्रशासन से सेवा संचालित करने के लिए अनुमति जरूरी नही होने की बात कही थी, वही अखबार में जिलाधिकारी का पक्ष प्रकाशित होने के बाद छात्र संघ ने अपना विरोध तेज कर दिया।वही छात्र संघ महासंघ अध्यक्ष देवाशीष धानिक और छात्र संघ अध्यक्ष आशीष कुमार के नेतृत्व में छात्र संघ विरोध में अड़िग हो गया।वही हेली सेवा बंद करने की मांग और सेवा संचालित करने के लिए चालीस फीसदी कमाई का हिस्सा डिग्री कॉलेज को देने की मांग को लेकर धरने में बैठ गए।वही डिग्री कॉलेज से हेली सेवा चालू कराने शांति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस भी मौके पर पहुँच गई।सीओ और कोतवाल ने छात्रों को मनाने की कोशिश की।पर छात्र अपनी मांग को लेकर अडिग रहे। जिसके बाद छात्रों को मनाने के लिए एसडीएम हरगिरि और पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल भी मौके पर पहुँचे।और छात्रों को मनाने की कोशिश करने लगे।वही काफीजद्दोजहद के बाद भी छात्रसंघ पदाधिकारी नही माने, जिसके बाद छात्रों की जिद्द के आगे पालिका प्रशासन को उनकी मांग के आगे झुकना पड़ा,और हेली सेवा को दूसरी जगह से संचालित करने का निर्णय लिया गया। वही छात्रों ने सेवा अन्यत्र संचालित होने पर छात्र एकता के नारे लगाए।वही हेली सेवा को डिग्री कालेज मैदान के बजाय पुलिस लाइन से संचालित करने का निर्णय लिया गया। वही छात्रों के विरोध के चलते दो घण्टे बाद ही हेली सेवा पुलिस लाइन से संचालित हुई। विरोध करने वालों में चाहत थापा, प्रकाश बछमी, गोकुल परिहार,प्रमोद कुमार, कमलेश कुमार, हिमांशु आदि मौजूद थे।

डीएम ने खेल मैदान के विकास के लिए एक लाख देकर छात्रों को मनाया

बागेश्वर(उद संवाददाता)।उत्तरायणी मेले में डिग्री कालेज परिसर में छात्रो के विरोध के बाद दिन भर गतिरोध के बीच भाजपा जिलाध्यक्ष की पहल पर डिग्री कॉलेज परिसर से हेली सेवा के संचालन में प्रशासन पालिका की पहल पर बात नही बन पाने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्र फर्स्वाण ने डीएम से मामले में वार्ता की।जिसजे बाद जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने छात्रों को वार्ता के लिए बुलाया। वही छात्रो का दल देर शाम डीएम से मिला, डीएम ने छात्र संघ पदाधिकारियों से वार्ता की।और मेले में आम लोगों को मिल रही हवाई सेवा का लाभ दिलाने में सहयोग की बात कही, जिसके बाद डीएम ने छात्रों को एक लाख की देने की घोषणा की। जिसके बाद छात्र संघ पदाधिकारी मान गए। इस दौरान वार्ता के दौरान सभासद धीरेंद्र परिहार,छात्र संघ अध्यक्ष आशीष कुमार, और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सौरव जोशी आदि मौजूद थे।

ANANT GRAPHICS

All Kinds of Printing Solution...
Price | Time | Quality

We Deals In
Pamphlets | Business Cards | Posters Stickers | Letterheads | ID Cards | Perfect Binding | Catalogues
Cold Lamination | Brochures | Die-Cutting | Thermal Lamination | Labels | Eco Vinyl Printing

Add:- Uttaranchal Darpan Campus, Shyam Talkies Road, 26 Kalyani View, Rudrapur

More information call us
98377 77818
E-mail : anantgraphics.rdr@gmail.com

गृह मंत्री अमित शाह से मिले सीएम धामी

जोशीमठ में भू धंसाव से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य की रिपोर्ट सौंपी

देहरादून(उद संवाददाता)। जोशीमठ में भूधंसाव से उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंटकर जोशीमठ की स्थिति और सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के संबंध में अवगत कराया। साथ ही जोशीमठ को बचाने को केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रभावितों की मदद को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री को बताया कि बदरीनाथ धाम का शीतकालीन गद्दीस्थल जोशीमठ सामरिक, सांस्कृतिक व पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। शहर का 25 प्रतिशत भूभाग भूधंसाव से प्रभावित है, जिसकी जनसंख्या 25 हजार है। अभी तक 849 भवनों में दरार दिखी हैं। 250 परिवार अस्थायी रूप से विस्थापित किए गए हैं। पुनर्वास को पांच स्थल चिह्नित किए गए हैं। आठ केंद्रीय तकनीकी संस्थानों के विज्ञानी जांच में जुटे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने गत वर्ष 16 से 22 अगस्त तक विशेषज्ञ समिति से स्थलीय सर्वेक्षण कराया। इसमें भूधंसाव के कारण व उपाय बताए गए। इस माह भवनों में दरारों का क्रम तेज होने पर विशेषज्ञ समिति ने फिर स्थलीय निरीक्षण कर कुछ संस्तुतियां की। गत आठ जनवरी को प्रधानमंत्री कार्यालय के कैबिनेट सचिव ने भी उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इसके बाद केंद्रीय टीमों ने जोशीमठ का भ्रमण किया। डीएम चमोली, आयुक्त गढ़वाल जोशीमठ में कैंप कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय तकनीकी संस्थानों से विचार-विमर्श के बाद प्रारंभिक रूप से यह बताया गया कि क्षेत्र में वृहद पुनर्निर्माण की आवश्यकता होगी। इसका अंतिम आकलन तकनीकी परीक्षण की समाप्ति पर होगा। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत शिविर, फेब्रिकेटेड शेल्टर, स्थायी पुनर्वास, नवीन स्थल विकास, आवास, मूलभूत सुविधाएं, जोशीमठ के पुनर्निर्माण, विस्तृत तकनीकी जांच, भूस्खलन की रोकथाम, सीवरेज व जल निकासी व्यवस्था समेत अन्य सुविधाओं के लिए सहायता का अनुरोध किया।

चार संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की टीम कर रही पानी का रिसाव और भूमिगत जल का सर्वे

प्राथमिक जांच में जलस्रोत और एनटीपीसी की टनल का पानी अलग : सिन्हा

देहरादून(उद संवाददाता)। जोशीमठ में भू धंसाव के बाद फूटे जलस्रोत से रिस रहा पानी और एनटीपीसी परियोजना की टनल का पानी अलग-अलग है। यह खुलासा राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) रुड़की की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने दी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता है। चार केंद्रीय एजेंसियों की हाइड्रोलॉजिकल मैपिंग की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि पानी कहां से आ रहा है। डॉ. सिन्हा बुधवार को राज्य सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस ब्रीफिंग में कर रहे थे। बता दें कि जोशीमठ में दरारों के साथ पानी का अत्यधिक रिसाव होने पर स्थानीय लोगों ने इसके लिए एनटीपीसी की टनल को भी जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद एनआईएच की टीम ने जोशीमठ में जाकर टनल वाले स्थान और जेपी कालोनी के पास से पानी के सैंपल लिए थे। एनआईएच की जांच रिपोर्ट पर सबकी निगाहें लगी थीं। माना जा रहा था कि जांच रिपोर्ट से इस बात का खुलासा हो जाएगा कि पानी टनल से आ रहा है या इसका कोई और स्रोत है। लेकिन प्राथमिक जांच में अब भी रहस्य बरकरार है। जोशीमठ की जेपी कालोनी में पानी का रिसाव काफी घट गया है। बुधवार को यह 100 एलपीएम रहा, जबकि मंगलवार को यह 123 को पानी का डिस्चार्ज 540 एलपीएम था। इस हिसाब से यह काफी राहत वाली बात है।

जोशीमठ भू-धंसाव पर अलग-अलग सर्वे कर रही केंद्रीय संस्थानों की रिपोर्टों के आधार पर एक माह में हाइड्रोलॉजिकल मैपिंग की अंतिम रिपोर्ट आएगी। चार संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की टीम पानी का रिसाव और भूमिगत जल का सर्वे कर रही है। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्था (एनआईएच) और भू-जल संस्थान के वैज्ञानिक के माध्यम से पानी के रिसाव की जांच की जा रही है। जबकि एनजीआरआई और वाडिया भू-विज्ञान संस्थान की टीम रेस्टीवेटेड टेस्ट कर रहे हैं। जिसमें आधुनिक तकनीक से जमीन के अंदर करंट भेजा जाता है। यदि जमीन के अंदर पानी होगा तो विद्युतीय क्षमता बढ़ जाएगी। पत्थर होने पर विद्युत क्षमता कम होगी। एनजीआरआई हैदराबाद की टीम अगले सात दिन तक पानी का सैंपल लेगी। एक दिन में टीम की ओर से एक से दो सैंपल ही सकती है। चारों टीमों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का परीक्षण व मिलान करने के बाद ही वाटर स्प्रिंग और हाइड्रोलॉजिकल मैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक माह के भीतर हाइड्रोलॉजिकल मैपिंग की अंतिम रिपोर्ट आएगी। संस्थानों की ओर से हाइड्रोलॉजिकल, ज्योलॉजिकल टेक्निकल, जियो फिजिकल रिपोर्ट का मिलान करने जो अंतिम निष्कर्ष निकलेगा। उसके बाद ही भू-धंसाव कारणों के नतीजे पर पहुंच सकते हैं।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में संवाद करेंगे दो छात्र

देहरादून(उद संवाददाता)। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा 27 जनवरी को प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में राज्य के 10 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। जो कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखेंगे। 9 वीं से 12 वीं तक के इन छात्रों के लिए सभी विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। कार्यक्रम में राजकीय, राजकीय सहायता प्राप्त एवं निजी स्कूलों के छात्र भी जुड़ेंगे। सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में मीडिया से बातचीत में शिक्षा मंत्री ने कहा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री से संवाद के लिए उत्तराखंड से दो बच्चों का नामांकन हुआ है। प्रदेश के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ ही राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम से जुड़ेंगें। इसके अलावा मंत्री, सांसद, विधायक, राज्य के पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ता, शिक्षा, कला एवं संस्कृति से जुड़े महानुभाव, नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से इस कार्यक्रम में जुड़ेंगे। राज्य के लगभग 5500 शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित होगा। मंत्री ने कहा कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखतेहुए 18 से 23 जनवरी तक परीक्षा पर चर्चा थीम से संबंधित कला एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिताएं राज्य के 95 विकासखंड एवं 8 नगर निगमों में स्थित विद्यालयों में आयोजित होंगी। इस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। 25 प्रतिभागियों को पारितोषिक एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इस मौके पर सचिव शिक्षा रविनाथ रमन, शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी भी मौजूद रहे।

सीडीओ ने निर्माणाधीन विकासखण्ड कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

काशीपुर(उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने बुद्धवार को काशीपुर में तीन करोड़ सात लाख रुपए की लागत से बन रहे विकास खण्ड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता आर डब्ल्यूडी मदन मोहन को निर्माण कार्य समयबद्धता व गुणवत्ता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिल्डिंग के चारों तरफ बाउंड्रीवाल बनाने, खाली मैदान को पार्क के रूप में विकसित करने एवम सौंदर्यकरण करने के भी निर्देश सहायक अभियंता को दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता ने बताया कि 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा मार्च माह के प्रथम सप्ताह तक कार्य पूर्ण हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, जिला अर्थ एवम संख्याधिकारी नफील जमील, जिला पंचायतीराज अधिकारी आरसी त्रिपाठी, जिला युवा कल्याण अधिकारी मोहन सिंह नगन्याल आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याएं सुनी

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को राजभवन में पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों की समस्याएं सुनी। राजभवन में पहली बार इस तरह के आयोजन में कुल 14 लोगों द्वारा अपनी-अपनी शिकायतें/समस्याएं राज्यपाल के सम्मुख रखीं। इस अवसर पर पूर्व सैनिक व उनके आश्रितों द्वारा पेंशन से संबंधित समस्याएं, ईसीएचएस मेडिकल क्लेम, स्थानांतरण से संबंधित, आर्थिक सहायता, व अन्य समस्याएं राज्यपाल के सम्मुख रखी गयी। राज्यपाल ने सभी समस्याओं को बेहद गम्भीरता से सुना और उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी शिकायतकर्ताओं से कहा कि सैनिक, पूर्व सैनिक व उनके परिवारजनों की समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकता हैं, जिसे जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में हमारे सैनिक जिस निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करते है उसी तत्परता से हमें उनके परिवारजनों की देखभाल व सहायता करनी चाहिए।उन्होंने राजभवन में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान हेतु नियुक्त शिकायत निवारण अधिकारी को सभी समस्याओं को यथाशीघ्र संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करने के निर्देश दिये। राज्यपाल ने कहा कि सभी लोगों की समस्याओं को एक निश्चित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

श्री सनातन धर्म मंदिर के वार्षिकोत्सव पर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

गदरपुर(उद संवाददाता)। बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर के 44वें वार्षिकोत्सव एवं बसंत पंचमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर नगर में विशाल कलश यात्रा निकाली गयी स बुधवार को स्वामी नारायण चौतन्य ब्रहमचारी जी महाराज के मार्गदर्शन एवं श्री सनातन धर्म मंदिर अध्यक्ष वेद राज बजाज के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गयी जो आवास विकास स्थित शिव पार्वती मंदिर से प्रारम्भ हुई। कलश यात्रा गुलरभोज रोड, मुख्य बाजार से होते हुए बुध बाजार स्थित मंदिर पर संपन्न हुई। मंदिर विधिवत पूजा अर्चना के साथ पं. विजय शास्त्री द्वारा 151 कलशों को स्थापित करवाया गया। कलश यात्रा में राजकुमार भुड्डी, अजय खेड़ा, सोमनाथ छाबड़ा, लेखराज नागपाल, धर्मचन्द खेड़ा, कृष्ण लाल बत्रा, अशोक हुड़िया, हरिचन्द छाबड़ा, लेखराज भुड्डी, विजय भुड्डी, विजय सुखीजा, संजीव झाम, , आशीष बजाज, मयंक चुघ,महिला मंडल अध्यक्ष योजना सिंह, प्रियंका मिश्रा, ज्योति छाबड़ा, सुनीता बजाज, बबीता शर्मा, लक्ष्मी चौहान, सीमा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। श्री सनातन धर्म सभा अध्यक्ष वेदराज बजाज ने बताया कि 19 जनवरी से दोपहर तीन बजे से सायं 6 बजे तक श्रीमद भागवत कथा होगी। 25 जनवरी को कथा का समापन होगा। 26 जनवरी को प्रात: 10 बजे महिला संकीर्तन, 11 बजे सत्संग एवं संकीर्तन दोपहर 1बजे अटूट लंगर होगा। उन्होंने सभी धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम अनुसार सहभागिता करने का आव्हान किया।

घर के निकट नाले में गिरने से वृद्ध की मौत

सितारगंज(उद संवाददाता)। घर के नजदीक बहने वाले नाले में गिरने से ग्रामीण की मौत हो गई। इसके विरोध में ग्रामीणों ने प्रशासन के विरुद्ध रोष भी व्यक्त किया। ग्राम लोका के प्रधान बंटी सिंह ने बताया कि इंदिरा नगर गांव निवासी 70 वर्षीय लल्लन प्रसाद मंगलवार की शाम नाले में गिर गए थे। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लल्लन प्रसाद की मौत से एक दिन पहले ही ग्रामीणों ने जल निकासी को लेकर प्रशासन से मांग की थी। बुधवार को एसडीएम ने जल निकासी सुनिश्चित कराई। इधर वृद्ध की मौत के बाद ग्रामीणों ने नाले की जल निकासी प्रभावित होने का आरोप लगाते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद सिंह फर्त्याल ने बताया कि इंदिरा नगर गांव में वृद्ध की मौत की सूचना मिली है। मौत का कारण संदिग्ध नहीं होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है।

योजनाओं को समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ पूरा करें:जोशी

काशीपुर(उद संवाददाता)।कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने बुद्धवार को ब्लॉक सभागार पहुंचकर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बैठक के अनुपस्थित रहने पर निर्देश दिए। श्री जोशी ने कुछ अधिकारियों के आधी अधूरी जानकारियों के साथ बैठक में प्रतिभाग करने पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी बैठकों में पूर्ण तैयारियों एवं जानकारियों के साथ प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि उपलब्ध धनराशि का सदुपयोग करते हुए योजनाओं को समयबद्धता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता से पूर्ण करना सुनिश्चित करें ताकि जनता को योजनाओं का लाभ समय से मिल सके। उन्होंने कहां कि गलत को छोड़ेंगे नहीं और सही को छेड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के द्वार एवं जनहित में लगातार कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि उनके द्वारा विकास कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता एवं इमानदारी से जनहित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार भर्ती घोटाले को उजागर करते हुए घोटाले बाजों को जेल भेजने का कार्य कर रही है। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित सामान को बाजार उपलब्ध कराने हेतु आउटलेट की व्यवस्था करने के निर्देश परियोजना निदेशक को दिए। उन्होंने जनपद के रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु कार्य योजना तैयार करने के निर्देश सहायक निदेशक रेशम को दिए।मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि जिला योजना के अंतर्गत शासन से अवमुक्त धनराशि 3629.32 लाख रुपए के सापेक्ष 2827.59 लाख की धनराशि विभिन्न योजनाओं में खर्च हो चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य योजना अंतर्गत शासन से अवमुक्त धनराशि 25976.32 के सापेक्ष 20380. 74 लाख की धनराशि खर्च हो चुकी है जबकि केंद्र पुरोनिधानित योजनांतर्गत 43247.11 के सापेक्ष 42162.30 लाख की धनराशि खर्च हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत 26 ए श्रेणी में, 4 विभाग बी श्रेणी, 1 विभाग सी तथा 1 विभाग डी श्रेणी में है। बैठक का संचालन परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी ने किया। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर ऊषा चौधरी, ब्लॉक प्रमुख अर्जुन कश्यप, जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, खिलेंद्र चौधरी सहित जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी,जिला अर्थ एवम संख्याधिकारी नफील जमील, जिला पंचायतीराज अधिकारी आरसी त्रिपाठी, जिला युवा कल्याण अधिकारी मोहन सिंह नगन्याल आदि उपस्थित थे।

गणेश जोशी का काशीपुर में भव्य स्वागत

काशीपुर(उद संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री एवं ऊधमसिंहनगर जिले के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को काशीपुर प्रवास के दौरान मण्डी अतिथि गृह में अभिनंदन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। काशीपुर पहुंचने पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री गणेश जोशी का स्वागत किया । स्वागत कार्यक्रम के उपरांत मंत्री जोशी ने पार्टी के पधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की। बैठक में मंत्री जोशी ने पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्या को सुना और उनके समस्या के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कार्यकर्ताओं के अपार स्नेह के लिए सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि छोटे से कार्यकर्ता को समय आने पर बड़ी जिम्मेदारी यदि कोई पार्टी दे सकती तो वह है भाजपा। उन्होंने कहा है,और पार्टी उसका इनाम भी समय पर देती है। मंत्री जोशी ने कहा आज विश्व की नंबर एक पार्टी अगर कोई है तो वह भारतीय जनता पार्टी है। मंत्री जोशी ने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और जनता को इसका लाभ लेने के लिए जागरूक करने की भी अपील की। इस अवसर पर काशीपुर विधायक त्रिलोक चीमा, राम महत्रोत्रा, दीपक बाली, डॉ सुरेश चौहान, बिजय मंडल, उमा जोशी, कमलेश, आदि उपस्थित रहे।

इसके लिए धैर्य रखना बेहद जरूरी

मजदूर परिवहन संघ ने एजीएम को सौंपा ज्ञापन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ प्रांतीय आह्वान पर सरकार एवं निगम प्रबंधन द्वारा निगम मे अनुबंधित बसों के संचालन व नियमित कर्मचारियों की जगह अन्य स्रोतो से भर्ती कर निगम को समाप्त करने की निगम की कर्मचारी विरोधी नीतियो के विरोध मे प्रथम चरण मे आज सहायक महा प्रबंधक के माध्यम से परिवहन मंत्री व प्रबंध निदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया।शाखा मंत्री रूप सिंह व नरेंद्र पलड़िया ने कहा कि सरकार निगम की संपत्तियों को खुर्द बुर्द कर निगम के अस्तित्व को समाप्त करने का षड्यंत्र रच रही है। उत्तराचल की भौगोलिक परिस्थितियों को रगत रखते हुए पूर्ववर्ती सरकार ने निगम के अस्तित्व को बचाने के लिए निगम को राजकीय रोडवेज का प्रस्ताव प्राप्त किया था। आज तक लाम्बा कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। जिससे निगम के कार्यरत कार्मिको का भविष्य अधर में है। समय रहते इस पर ध्यान नही दिया तो समय वद्ध आंदोलन तेज किया जायेगा। ज्ञापन देने वालो में हरभजन सिंह, ललित मोहन पाण्डेय, रामकुमार प्रभाकर, राजकुमार, जगदीश अधिकारी, योगेन्द्र पाल, पुरुषोत्तम, नवनीत सक्सेना, प्रेम चन्द्र दुमका, ललित चन्द्र पाण्डेय, रन्जीत कौर, अवतार सिंह आदि मौजूद थे।

बैजनाथ में आयोजित हुई काव्य गोष्ठी

गरुड़ (उद संवाददाता)। प्रसिद्ध बैजनाथ मंदिर में तीसरी बार उत्तरायणी मेला आयोजित किया गया है। मेले में आयोजित काव्य गोष्ठी में स्थानीय कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। काव्य गोष्ठी की शुरुआत करते हुए वरिष्ठ कवि मोहन जोशी ने कहा -बैजनाथ ताल का ढीका क्या भल हाजरी फूल, पार्वती मंदिर चढ़ूल फूल हाजरी क फूल वरिष्ठ कवि रमेश पांडे ने अपनी कविता इस प्रकार सुनाई- कत्थ भ्योव भकारों,ढुगांक खाड़ कबिटों बै, भिड़ पहाड़ो जड़ाबै,निकव टपकि टपकि बेर कवि व शिक्षक गिरीश अधिकारी ने करनी रचना यों प्रस्तुत की- कभी पंचमी कभी हरेला कभी घुघुतिया आता है, कभी गांव के मध्य भाग में जाकर दृश्य लुभाता है कवि व शिक्षक ओमप्रकाश फुलारा ने वर्तमान स्थिति पर कहा- जहर घोटकर पी लेने से खुद को शिव अब कहते लोग, तांडव देखा दानव का तो, देखो कैसे छिपते लोग। इस मौके पर लोगों ने नौकायन का लुत्फ भी उठाया। संचालन चंद्रशेखर बड़सीला ने किया। इस दौरान मेलाध्यक्ष नवीन ममगाई, सचिव दीवान नेगी, गोपाल सिंह नेगी, संजय फर्सवाण, दिनेश लोहनी, अखिल जोशी, अंकित जोशी आदि मौजूद थे।

उत्तरायणी क म्याल लागी रो बागेश्वर बाजार

लोक गायकों के गानों पर खूब थिरके दर्शक,हेली सेवा के लिए लोगों में उत्साह

बागेश्वर(उद संवाददाता)। उत्तरायणी मेले में कुमाउनी गढ़वाली गानों की धूम रही। उत्तरायणी मेले में लोक गायक रमेश बाबू गोस्वामी, दर्शन फर्श्वाण, दीपा नगरकोटी,अजय चंदोला ने अपनी गायकी से और हास्य कलाकार गणेश भट्ट ने दर्शकों को अपने व्यंग्यो से खूब हंसाया, साथ ही योगासन के द्वारा बाबा रामदेव के योगासन से भैस का वजन कम होने को लेकर योगासन सहित,पहाड़ की पुरानी सँस्कृति को पुरातन और आधुनिक सतयुग और कलयुग के बारे में बताया। साथ ही रमेश गोस्वामी ने कैली बाजे मुरुली, तू मेरी मखनन, में त्येरी डबल रोटी, त्यर म्यर दगड़ अंग्रेज जमान बटी, में दर्शकों ने खूब सराहा, वही गढ़वाली गानों में भी दर्शक खूब थिरके।वही कपकोट में भी उत्तरायणी मेले की धूम रही। वहीं तीन दिन में हेली सेवा से434 लोगों द्वारा हवाई सेवा का लुत्फ उठाने से लोगों में हेलीकॉप्टर सेवा के लिए जबरदस्त जुनून दिखा। रोजाना लोग पालिका की पर्ची से ढाई हजार रुपए चुकाकर पांच मिनट की हवाई यात्रा का लुत्फ उठा रहे थे।वही डीएम अनुराधा पाल भी जिले से भविष्य में पिथौरागढ़ की तर्ज पर जिले से स्थायी हवाई सेवा संचालित हो सके इसके लिए भी जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी अपने स्तर से नियमित हवाई सेवा की तैयारी के लिए प्रयास कर रहे हैं।वही सेवा बाधित होने से कही लोग डिग्री कॉलेज मैदान में हवाई सेवा का लुत्फ उठाने का इंतजार करते नजर आए।

त्रिपुरा में पर्यवेक्षक नियुक्त होने पर दिलीप का किया स्वागत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। देश के तीन पूर्वोत्तर राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत कांग्रेस के नागालैंड, सिक्किम व त्रिपुरा राज्य के प्रभारी एवं पूर्व सांसद अजय कुमार द्वारा त्रिपुरा की कैलाशहर सामान्य विधानसभा सीट के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष दिलीप अधिकारी को पर्यवेक्षक नियुक्त करने पर महानगर कांग्रेस महामंत्री अर्जुन विश्वास के नेतृत्व में ट्रांजिट कैंप के तमाम लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए वार्ड तीन में उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। अर्जुन ने कहा कि कांग्रेस ने बंगाली समाज के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पर विश्वास करते हुए उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई है इससे समाज के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने दिलीप को त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में पर्यवेक्षक नियुक्त करने पर पार्टी के सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में कांग्रेस नेता दिलीप अधिकारी ने कहा कि पार्टी द्वारा उन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के लिए निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों को चुनाव प्रचार के दौरान जन जन तक पहुंचाया जाएगा। दिलीप ने कहा राशन डिपो से आम जनता के लिए चीनी, गेहूं, मिट्टी तेल, दालें सहित कांग्रेस शासन काल में मिलने वाली कई चीजें नदारद हो चुकी हैं। इतना ही नहीं चावल की मात्रा भी इतनी कम कर दी गई है कि एक परिवार चार दिन भी नहीं खा सकता है। बेरोजगारी व महंगाई दिनो दिन बढ़ती जा रही है। केंद्र सरकार सिर्फ अपने चहेते उद्योगपतियों के हित देखकर ही जनविरोधी नीतियां निर्धारित कर रही है। भाजपा शासन में समाज का हर वर्ग त्रस्त हो गया है। इसका खमियाजा भाजपा की भुगतना होगा। दिलीप ने स्वागत करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान शंकर, अमित सिंह, मिल्टन कुमार, होरीलाल, बाबूराम, कन्हई लाल, श्यामलाल, कृष्ण पाल, विकास राय, रामनरेश, वीरेंद्र कुमार, उमा सरकार, गोबिंद विश्वास, गोपाल मंडल, विपुल, अजय चौहान, मिलन भट्टाचार्य आदि ने दिलीप अधिकारी का स्वागत किया।

पर जिस विश्वास के साथ दायित्व सौंपा गया है वह उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करते हुए त्रिपुरा में आगामी 16 फरवरी को होने वाले

महिलाओं ने निकाली पैड यात्रा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।अंतरराष्ट्रीय पैडमैन दिग्गज प्रोफेसर डॉ बीरेन देवे के नेतृत्व में 10 संगठनों द्वारा 54वीं विश्व रिकार्ड पैडयात्रा राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास परिषद की उत्तराखंड राज्य अध्यक्ष डॉ उषा नरेंद्र जैन व उधमसिंह नगर की टीम ने कनकपुर में पैडयात्रा निकाली गयी। जिसमें महिलाओं व किशोरियों को सेनेटरी पैड के प्रति जागरूक किया गया। सैकडों महिलाओं को (मेंस्ट्रुअल हाईजीन किट) सेनेटरी पैड व इंटीमेट वास् वितरित किये गये, इसमें एनसीडब्लूडीसी उधमसिंह नगर की टीम से जिला अध्यक्ष श्रीमती राधा सुभाष व उपाध्यक्ष श्रीमती ममता नेगी के साथ श्रीमती कविता रावत,रूपा रानी,स्वेता,पुष्पा, विमला,विमा देवी के साथ सैकड़ों महिलायें उपस्थित रही।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आतंकियों पर वैश्विक पाबंदी

भारत ने हर कुछ समय के अंतराल पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद की समस्या पर बात करते हुए आर्तकियों को संरक्षण देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया है। लेकिन पाकिस्तान ने इस तरह के आरोपों पर कभी गंभीरता से बात नहीं की और न इस व्यापक समस्या के हल में सहयोग के लिए कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उलटे वह भारत की ओर से उठे सवालों को खारिज करता रहा है। जबकि आए दिन ऐसे तथ्य सामने आते रहे, जिसमें यह बार-बार उजागर हुआ कि खासतौर पर भारत में आतंकवाद की जटिल समस्या के पीछे उन आतंकी गिरोहों का हाथ है, जो पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाते हैं। खासतौर पर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने अलग-अलग चेहरों में भारत में आतंक फैलाने की लगातार कोशिश की है। इसी के मद्देनजर भारत ने वैश्विक समुदाय से पाकिस्तान में संरक्षण हासिल करके बैठे कुछ प्रमुख आतंकियों को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की मांग बार-बार उठाई। लेकिन पाकिस्तान की आनाकानी और चीन के नाहक हस्तक्षेप की वजह से अब तक इस दिशा में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिल सकी थी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र से लेकर दुनिया के ज्यादातर देश भारत के पक्ष और उसकी समस्या को समझते रहे, फिर भी प्रक्रियागत जटिलताओं का लाभ पाकिस्तान को मिलता रहा। मगर सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान स्थित आतंकी और हाफिज सईद के करीबी रिश्तेदार अब्दुल रहमान मक्की को अपनी आइएसआइएल (दाएश) और अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। एक अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था होने के नाते भले अब जाकर संयुक्त राष्ट्र की ओर से यह कदम उठाया गया है, लेकिन सच यह है कि भारत अरसे से ऐसे कई आर्तकियों पर पाबंदी लगाने के लिए आवाज उठाता आया है। पिछले साल जून में भी अमेरिका और भारत ने सुरक्षा परिषद में यह संयुक्त प्रस्ताव रखा था कि आतंकी मक्की को प्रतिबंधित सूची में शामिल किया जाए। लेकिन आखिरी वक्त में चीन ने अपनी विशेष शक्ति की प्रयोग करके इस प्रस्ताव को रोक दिया था। तब भी चीन की खासी आलोचना हुई थी। अब वैश्विक स्तर पर नए परिदृश्य में दबाव बनने और पर्याप्त सबूत उजागर होने के बाद इस बार चीन को भी अपने हाथ पीछे खींचने पड़े। जाहिर है, यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के मसले पर भारत के पक्ष की पुष्टि है। मगर विडंबना यह है कि भारत की ओर से उठाए गए सवालों पर पाकिस्तान और उसका साथ देने वाले चीन को समय रहते विचार करना जरूरी नहीं लगा था। जबकि लंबे समय से ऐसे तथ्य दुनिया भर में सामने आते रहे कि आतंकवाद ने कैसी समस्या खड़ी की है और उसके नतीजे किस-किस रूप में सामने आ रहे हैं। विचित्र यह है कि हकीकत को झुठलाने में पाकिस्तान को कभी कोई हिचक नहीं हुई। एक ओर वह आतंकी तत्त्वों को अपने सीमा क्षेत्र में स्थित ठिकानों से गतिविधियां संचालित करने की अनदेखी करता है और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खुद को पीड़ित देश बता कर पेश करता है। आतंक को संरक्षण के समांतर पाकिस्तान सरकार एक अजीब तरह के ऊहापोह से गुजरती रहती है। इसी सोमवार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की इच्छा जाहिर की, उसी दिन उनके कार्यालय की ओर से कश्मीर मुद्दा उठा दिया गया। सवाल है कि ऐसी स्थिति में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की इस इच्छा को कैसे देखा जाएगा कि हम शांति से रहना चाहते हैं और अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहते हैं।

कॉल गर्ल की मांग करना दो पर्यटकों को भारी पड़ा

नैनीताल(उद संवाददाता)। लखनऊ से घूमने आये दो पर्यटकों को गाईड से काल गर्ल की डिमांड करना महंगा पड़ गया। गाइडों ने दोनों की धुनाई लगाकर पुलिस के वाले कर दिया। जिस पर पुलिस ने दोनों का शांति भंग के आरोप में चालान कर दिया।जानकारी के अनुसार यूपी के लखनऊ निवासी दो युवक मल्लीताल में घूम रहे थे। तभी कुछ गाइडों ने उनसे शहर के पर्यटक स्थल घूमाने के लिए पूछा तो वह कॉलगर्ल की मांग करने लगे। आरोप है कि दोनों अभद्रता पर उतर आए। जिसके बाद मामला इतना बढ़ गया कि गाइडों ने दोनों पर्यटकों को पीट दिया। हंगामा बढ़ा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह मामला शांत कराया और दोनों पर्यटकों व गाइडों को कोतवाली ले गई। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पर्यटकों के साथ ही नैनीताल निवासी दो युवकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की।

श्री सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर में सजा श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार ,भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रूद्रपुर(संवाददाता)। श्री सिद्धेश्वर बालाजी मंदिर धाम, आदर्श कालोनी के 23 वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के तहत गत रात्रि मंदिर में विशाल भंडारा आयोजन के पश्चात श्री बालाजी महाराज जी का भव्य दरबार सजाया गया। जिसमें भजन गायक कलाकारों ने भजनों के माध्यम से श्री बालाजी महाराज की महिमा का गुणगान किया। जिसमें दिल्ली से आई अंजलि द्विवेदी व सोनी सिस्टर्स ,कृष्ण गुप्ता ने रात्रि भर श्री बालाजी महाराज के जयघोषों व तालियों के साथ भजन गाकर उपस्थित बाला जी भक्तों को भक्ति में झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अयोध्या में श्री राम मंदिर बन रहा है बाबा ने हमको चलना सिखाया, हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा, सोटा सोटा सोटा मेरे बाबा जी का सोटा, वीर हनुमाना अति बलवाना, हर हर शंभू शिवा महादेवा, मेरा संकट टल गया श्री बालाजी के दरबार में आदि भजन सुनाये। इस मौके पर महंत रमेश वशिष्ठ, आचार्य ब्रजरज अभिषेक वशिष्ठ, पंडित महेश शर्मा, शुभम वशिष्ठ,मयंक वशिष्ठ, वन निगम अध्यक्ष कैलाश गहतोड़ी, राजेश शुक्ला, मेयर रामपाल सिंह, भारत भूषण चुघ, अमित नारंग, ललित कुमार सीटू, ममता सीटू, संजय ठुकराल, बिटू ग्रोवर, विजय चिलाना, पंकज ग्रोवर, विक्की मुजाल, हरीश अरोरा, पवन गाबा, सुधीर अरोरा, रानू छावड़ा, बाबू चिलाना, राजीव शर्मा, विक्की घई, संजय राजपूत, हैप्पी अरोरा, योगेश शर्मा ,अजय अनेजा, संजीव अनेजा, पंकज अरोरा आदि मौजूद थे।

कुपोषण से बचाव को कार्यशाला आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।पोषण पुनर्वास केंद्र में ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के सहयोग से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिन्हा के मार्गदर्शन में एनआरसी को बेहतर बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डाइटीशियन अंशुल टंडन ने कुपोषित बच्चों को खान पान के बारे में बताया। जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके। डॉ. पारस द्वारा कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। उन्होंने बताया कि बीएनएफ के प्रयास द्वारा वार्ड में वर्तमान में दस कुपोषित व अति कुपोषित बच्चे भर्ती है। और ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन के डीपीओ मोहित सक्सेना के द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार व किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी प्रकार के सामान प्रदान किए गए। जैसे दो कुकर, खाने के सभी प्रकार के बरतन, दस कूड़ेदान, दस चादरें, कंबले, रूम हीटर, आयरन कढ़ाई, साबुन, सर्फ, स्वच्छता किट व इस तरह के सभी प्रकार के सामान जो ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन द्वारा वितरित किए गए।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से चरमराई व्यवस्था

गदरपुर (उद संवाददाता)। सफाई कर्मियों की हड़ताल के चलते शहर में सफाई व्यवस्था लड़खड़ा गयी है। बुध बाजार स्थित सनातन धर्म मंदिर के रास्ते में गंदगी के ढेर लगे हुए थे। जिसे व्यापारियों ने श्रमदान कर साफ किया। दीप मेडिकल स्वामी राकेश कंबोज ने कहा कि गदरपुर के बुध बाजार में बसंत पंचमी का कार्यक्रम मंदिर परिसर में किया जाना प्रस्तावित है जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे और जो गदरपुर के बुध बाजार के व्यापारियों के लिए गर्व का विषय है। इसलिए आज व्यापारियों ने स्वयं सफाई की व्यवस्था संभालने का निर्णय लिया क्योंकि हम सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते सफाई व्यवस्था पूरी तरह खराब हो चुकी है। सफाई अभियान में सभी धर्मों के लोग शामिल हुए हैं। जिसमें पास्टर वीनस मसीह खुद मौके पर थे और मुस्लिम समुदाय के व्यापारी सिख समुदाय के व्यापारी भी इस श्रमदान में शामिल हुए हैं और सभी ने सफाई मंदिर के जाने वाले रास्ते पर की है।

इश्योरेंस कम्पनी को 10.15 लाख मय ब्याज भुगतान का आदेश सही माना

14 दिन के अन्दर चोरी होने पर वाहन ट्रांसफर की सूचना न देने पर भी बीमा क्लेम निरस्त नहीं किया जा सकता: राज्य आयोग

काशीपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग ने वाहन ट्रांसफर से 14 दिन के अन्दर चोरी होने पर वाहन ट्रांसफर की सूचना बीमा कम्पनी को न देने के आधार पर बीमा क्लेम निरस्त करने को गलत माना तथा बीमा कम्पनी की अपील निरस्त कर दी। जिला उपभोक्ता फोरम ने वाहन चोरी के बीमा क्लेम को बीमा कम्पनी को वाहन ट्रांसफर की सूचना न देने के आधार पर खारिज करना गलत मानते हुये बीमा कम्पनी को उपभोक्ता को 10 लाख 15 हजार का भुगतान का आदेश दिया है। इसमें 10 हजार रूपये मानसिक क्षतिपूर्ति तथा 5 हजार रू. बाद व्यय भी शामिल है। इसके अतिरिक्त बीमा कम्पनी को 7 प्रतिशत वार्षिक की दर से वाद दायर करने से भुगतान की तिथि तक का ब्याज भी भुगतान करने को आदेशित किया गया था। राज्य आयोग ने इस निर्णय व आदेश को बिल्कुल सही मानते हुये उसकी पुष्टि कर दी।काशीपुर के जमील अहमद तथा मुशर्रफ की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा जिला उपभोक्ता फोरम में परिवाद दायर करके कहा गया था कि जमील अहमद ने अपने ट्रक सं0 यू0के0-6सी ए-0916 का बीमा ओरिएण्टल इश्योरेंस कम्पनी लि0 की काशीपुर शाखा कार्यालय से करवाया जो 31-10-2014 से 30-10-2015 तक वैध था। इसी बीच 27-11-2014 को जमील अहमद ने अपना बीमित ट्रक मुशर्रफ को बेच दिया जिसे सम्बन्धित परिवहन अधिकारी के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जिसकी प्रति 28-11-2018 को जब प्राप्त हुई तो बीमा कम्पनी का कार्यालय बन्द हो चुका था। 29 व 30 नवम्बर को कम्पनी का कार्यालय बन्द था। इस कारण वाहन हस्तांतरण की सूचना नहीं दी जा सकी। 29 व 30 नवम्बर 2014 की रात को काशीपुर से बीमित ट्रक चोरी हो गया। परिवादीगण द्वारा काफी ढूंढने पर जब वाहन नहीं मिला तब इसकी रिपोर्ट कोतवाली काशीपुर में दर्ज करायी और पुलिस द्वारा प्रयास करने पर भी जब वाहन नहीं मिला तब पुलिस ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट काशीपुर के न्यायालय में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। परिवादी ने बीमा कम्पनी को चोरी की सूचना दी जिस पर कम्पनी के अधिकारी व सर्वेयर ने घटना स्थल का सर्वे किया तथा इससे संबंधित जानकारी तथा सम्बन्धित कागजातों की प्रतियां प्राप्त की। जब बीमा कम्पनी द्वारा क्लेम की धनराशि नहीं दी गयी तब सूचना का अधिकार के अन्तर्गत सूचना मांगी गयी। जिसमें कम्पनी ने बताया कि वाहन हस्तांतरण की सूचना परिवादी द्वारा नहीं दी गयी इसलिये क्लेत निरस्त किया गया। इस पर परिवादीगण ने अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट के माध्यम से नोटिस भिजवाया। जिस पर भी कोई कार्यवाही न करने पर उपभोक्ता फोरम में परिवाद दायर किया गया। बीमा कम्पनी की ओर से वाहन हस्तांतरण की सूचना बीमा कम्पनी को न देने तथा बीमा कराने वाले जमील अहमद का चोरी के समय बीमित वाहन में कोई बीमित हित न होने के आधार पर बीमा क्लेम खारिज करने का कथन किया।जिला उपभोक्ता फोरम के तत्कालीन अध्यक्ष आरडी पालीवाल तथा सदस्य सबाहत हुसैन खान ने परिवादीगण के अधिवक्ता नदीम उद्दीन के तर्कों से सहमत हुये अपने निर्णय में लिखा कि मामले के तथ्य व परिस्थितियां ऐसी थी कि परिवादीगण ने बिना किसी देरी के विपक्षी बीमा कम्पनी को वाहन चोरी की सूचना दिनांक 01-12-2014 को दी। वाहन बीमित था और बीमित अवधि में ही चोरी हुआ। चोरी की दिनांक 29/30-11-2014 की रात्रि को चूंकि मुशर्रफ ही वाहन का स्वामी था इसलिये परिवादी मुशर्रफ ही बीमा धनराशि पाने का अधिकारी है।जिला उपभोक्ता फोरम ने बीमा कम्पनी को बीमित वाहन की धनराशि रू. दस लाख 7 प्रतिशत साधारण ब्याज जो परिवाद दायर करने की तिथि 16-02-2017 से वास्तविक भुगतान की तिथि तक देय होगा का भुगतान एक माह के अंदर करने का आदेश दिया। साथ ही मानसिक क्षति के 10 हजार तथा वाद व्यय के रू.पांच हजार का भी भुगतान करने का आदेश दिया है।बीमा कम्पनी ने इस आदेश के विरूद्ध अपील संख्या 134/2018 राज्य उपभोक्ता आयोग को कर दी। राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष जस्टिस डी. एस. त्रिपाठी तथा सदस्य उदय सिंह टोलिया की पीठ ने अपने निर्णय दिनांक 06-01-2023 में 14 दिन के अन्दर वाहन चोरी होने पर वाहन पॉलिसी ट्रांसफर न होने के आधार पर बीमा क्लेम निरस्त करने को गलत मानने के जिला उपभोक्ता फोरम के आदेश को पूर्णत: सही माना।

सड़क सुरक्षा का भविष्य छोटे बच्चों में तलाश रहे हैं हेलमेट मैन ऑफ इंडिया

भुल्लकड़ और व्यस्त रहने वाले माता पिता के बच्चों को दे रहे है हेलमेट

नौएडा (उद ब्यूरो)।मॉडर्न जमाने के माता-पिता अपने बच्चों की महंगी फीस और उनकी जरूरतें पूरी करना नही भूलते लेकिन, खुद की और अपने बच्चों की सुरक्षा के प्रति बड़ी लापरवाही देखी जाती हैं। हेलमेट मैन ऑफ इंडिया राघवेन्द्र कुमार ने बुधवार की शाम ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ऑफिस के ऑडिटोरियम में चार साल से ऊपर छोटे बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया था। मुख्य अतिथि आईएएस अमनदीप डुली थे। उन्होंने बच्चो के सभी पैरेंट्स का धन्यवाद करते हुए कहा यहां अधिकतर आबादी वाले लोग अलग अलग राज्य एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए हैं। लेकिन आपके छोटे बच्चें बड़े होकर एक स्मार्ट रोड यूजर बने इसके लिए हेलमेट मैन के कार्यों की सराहना करता हूं। आप लोगों के बच्चे और युवाओं के भविष्य के लिए इन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा त्याग करके योगदान दिया है। इसलिए आप और आपके परिवार के साथ बच्चें भी अभी से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनकी पहल से हम आने वाली पीढ़ियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने में कामयाब होंगे। कार्यक्रम में हेलमेट मैन ने कहा सड़कों पर अधिकतर माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल या कोचिंग छोड़ते वक्त खुद

भी बिना हेलमेट पहने रोज फर्राटे भरते रहते हैं जो कि आए दिन हादसे टीवी और अखबारों में सुर्खियां बनी रहती हैं। पूरे भारत में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क हादसों में नंबर वन है और गौतम बुध नगर जिला सड़क हादसों में मौत का समंदर बनता जा रहा है दूसरी तरफ प्रशासन इसे राजस्व के लिए सबसे बड़ा मुनाफा वाला शहर भी मानती है। यहां मीडिया जगत सिर्फ आपको ऑटो एक्सपो ग्लैमर वाली खबरे तक सीमित रहती है, जिसकी वजह से यहां की सबसे बड़ी आबादी और आने वाली जनरेशन को गाड़ियों की रेस और चकाचौंध की दुनिया में धकेला जा रहा है। यहां युवा बहुत तेजी से इन सबकी तरफ आकर्षित हो रहे हैं। इस मौत के समंदर को देखने के लिए लाखों लोग आते हैं और कंपनियां करोड़ों उगाही करती है। सड़क सुरक्षा की बात सिर्फ कैमरों पर होती है। लेकिन इन गाड़ियों से होने वाले हादसे के परिणाम कभी नहीं दिखाए जाते। आज इसी वजह से हमारे देश के युवाओं को सड़क सुरक्षा की बात उन्हें बोरिंग लगती है। जबकि सड़क सुरक्षा हर किसी की एक जीवन शैली है। लेकिन हमारे भारत की सड़के यहां युवाओं के रक्त से लाल हो रही है। सड़क हादसों का चर्चा सिर्फ सरकारी फाइलों तक सीमित रह जाती हैं। इस शहर के लाइफ स्टाइल और लोगों में बदलाव तेजी से बदल रहा है। लेकिन सड़क सुरक्षा के नियमों और कानून को लोग पीछे छोड़ रहे है। जिस वजह से सड़क हादसे का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि अब ये शहर सिर्फ पूंजी निवेश का बाजार बन चुका है। सड़क दुर्घटना किसी की मौत का भविष्य ना बने इसीलिए हेलमेट मैन ऑफ इंडिया छोटे बच्चों पर हेलमेट का कानून बनाकर बच्चों को हेलमेट पहना रहे हैं। अस्पतालों में घूम कर घायलों से मिलते है और उन्हें पहुंचाने वाले की तलाश करके अपने मिशन में शामिल करते है। सड़क हादसों में घायल व्यक्ति को सही समय पर हॉस्पिटल पहुंचाने वाले को इस कार्यक्रम में अमनदीप डुली द्वारा उन्हें गुड समेरिटन से सम्मानित किया गया। आयुष जैन ने पिछले महिने ग्रेटर नोएडा डेल्टा थ्री गोल चक्कर से एक बाइक सवार घायल व्यक्ति को सही समय पर हॉस्पिटल पहुंचाने से उसकी जान बच गई। मनोहर कुमार रामपुर बीटा फर्स्ट, गौरव सिंह, ओम प्रकाश और जय प्रकाश दोनों भाइ हैं, सड़क दुर्घटनाओ में मदद की। मुकुंद सिंह, वेद वैभव, इन सभी लोगो को गुड समेरिटन से सम्मानित किए गए और सभी बच्चें अपने पिता के साथ हेलमेट पहन कर एक साथ बाइक पर बैठ कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ऑफिस से हेलमेट मैन ऑफ इंडिया के साथ प्राधिकरण अधिकारी देव सिंह, पुलिस स्पेक्टर फतेह सिंह, एक साथ हरी झंडी दे कर सभी परिवार को विदा किया।

जेल से जमानत पर आए पिता ने नाबालिग से की छेड़छाड़

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नगर में एक बार फिर रिश्तो को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। हत्या के एक मामले में जेल से जमानत पर रिहा होकर आए एक पिता ने अपनी ही 15 साल नाबालिक बेटी के साथ छेड़छाड़ कर अपनी हवस का शिकार बनाने का प्रयास किया। बताया जाता है कि इससे पहले वह हत्या के एक मामले में सात साल की जेल काट कर घर आया था। तब से ही उसकी नीयत अपनी नाबालिग पुत्री के ऊपर खराब थी। बताया जाता है कि आए दिन वह अपनी पुत्री के साथ अश्लील हरकत करता था। जब पुत्री इसका विरोध करती थी तो वह उसके साथ मारपीट करता था। इससे क्षुब्ध होकर पीड़िता पुलिस के पास पहुंची। उसने पिता के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौप गिरफ्तारी की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गौलापार के एक गांव में रहने वाला 40 वर्षीय आरोपी मूलरूप से नेपाल का निवासी है। कुछ वर्ष पूर्व उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। जो अपने साथ एक बेटी को भी साथ ले गई थी। आरोपी यहां गौलापार के एक गांव में दो बेटियों के साथ रह रहा था। जिसमें एक की उम्र 13 साल है। बताया जाता है कि खेतों में मजदूरी करने वाला आरोपी पिता पिछले तीन साल से अपनी नाबालिग बेटी से अश्लील हरकतें कर रहा था। मंगलवार रात उसने बेटी के साथ दुष्कर्म किया और जब बेटी ने विरोध किया तो उसे बुरी तरह मारा पीटा। रात किसी तरह नाबालिग ने रोते रोते गुजारी। अगले दिन सुबह होते ही पीड़िता खुद पुलिस के पास जा पहुंची। जहां उसने अपने साथ पिछले कई वर्षों से पिता द्वारा की जा रही हरकतों की विस्तार से जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने आनन-फानन में आरोपी के घर पर दबिश दी और उसे दबोच लिया। पुलिस ने पीड़िता की छोटी बहन की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।बताया जाता है आरोपी पर न्यायालय में हत्या का एक केस चल रहा है। वर्ष 2013 में आरोपी ने हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र में दोस्त राजीव के साथ मिलकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों ने मिलकर लाश को नहर में फेंक दिया था। इस मामले में सात साल की सजा काटने के बाद वह जमानत पर रिहा हुआ।थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आज उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साथ ही पीड़िता का मेडिकल प्रशिक्षण कराया जाएगा।

तेजबहादुर चौहान ने नेत्रदान संकल्प को पूरा किया

गदरपुर(उद संवाददाता)।ठाकुर तेज बहादुर जो कभी मर नही सकते क्यों कि जाते जाते अपने नेत्रों को समाज के उन लोगों के लिए दान कर गए जिनके जीवन में अंधेरा था। वार्ड नंबर 2 शिशु मंदिर रोड निवासी राकेश चौहान(प्रधानाचार्य प्राथमिक पाठशाला गूलरभोज रोड गदरपुर) के पूजनीय पिता नगर के प्रमुख समाजसेवी एवं पूर्व सभासद व पुरातन श्री शिव मंदिर व रामलीला के संरक्षक राजकीय इंटर कॉलेज एवं राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष आदरणीय ठाकुर तेज बहादुर चौहान का आकस्मिक निधन हो गया। पिता की अंतिम इच्छानुसार उनके सुपुत्र राकेश चौहान ने नगर के वरिष्ठ समाजसेवी विकास तनेजा से नेत्रदान करवाने को कहा। परिवार की इच्छा अनुसार 'सोचो डिफरेंट' संस्था द्वारा सी एल गुप्ता आई बैंक को सूचना दी और नेत्रबैंक की टीम द्वारा सफलता पूर्वक नेत्रदान लिए गए। अब ठाकुर तेज प्रताप की आंखों से किन्ही दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। बुधवार दोपहर उनके पार्थिव शरीर का मुक्तिधाम गदरपुर में अंतिम संस्कार कर दिया गया जिसमें तमाम गणमान्य लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाईक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बीते दिनों बाईक सवार दो लोगों को टक्कर मारकर गंभीर रूप सें घायल कर देने वाले बाईक सवार के विरूद्ध रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में प्रेम राज पुत्र स्व. शम्भू दयाल निवासी साई विहार कालोनी, ज्वालानगर, सिविल लाईन रामपुर ने कहा है कि उसका बेटा रितिक राज व मैनेजर मकसूद अहमद खान एक कम्पनी में कार्य करते हैं। दोनों 7 जनवरी को दिन मे मोटर साईकिल संख्या यूपी 22 क्यू 2215 से रामपुर से रूद्रपुर को जा रहे थे। मार्ग में मारूति सुजूकी कामर्शियल आफिस के सामने पीछे से आ रही मोटर साईकिल संख्या यूपी 25 डीपी 3421 के चालक ने तेजी से उसके पुत्र की बाईक मे पीछे से टक्कर मार दी। जिससे उसका पुत्र तथा मकसूद अहमद खान गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी अज्ञात बाईक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम 26 से

गदरपुर(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम 26 जनवरी को आयोजित होगा स्थानीय शहीद उधम सिंह कंबोज धर्मशाला में आयोजित कांग्रेसियों की बैठक में उक्त जानकारी देते हुए पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा कि हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम राजकीय इंटर कॉलेज गदरपुर में आगामी 26 जनवरी को 2:00 बजे आयोजित होगा जिसमें दूरदराज से वरिष्ठ कांग्रेस जन और स्थानीय कार्यकर्ता शामिल होंगे जिसमें हाथ से हाथ जोड़ो सद्भावना कार्यक्रम जोकि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में 26 जनवरी से 26 मार्च तक चलेगा जिसमें सहभागिता करते हुए एक दूसरे का परिचय करके एकजुट होने का आह्वान किया जाएगा स इस मौके पर त्रिनाथ विश्वास, भीम ठकराल, सतजीत सिंह गुलाटी, टीकम खेड़ा ,जकी खान ,रामविलास सहित तमाम कांग्रेस जन शामिल थे।

जरूरतमंदों को वितरित किये कम्बल

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने 17 और 18 जनवरी को विभिन्न बस्तियों में पहुंचकर और अपने आवास पर दर्जनों जरूरतमंद और गरीब लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल वितरित किए। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा ने कहा कि वह पिछले कई वर्षों से कड़कड़ाती ठंड से बचने के लिए लोगों को कंबल वितरण करने का कार्य करती हैं। इसी क्रम में उन्होंने इस वर्ष भी कंबल वितरित करने का कार्य प्रारंभ किया है। मीना शर्मा ने कहा कि गरीबों और असहाय लोगों की मदद के लिए हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए और जितना जिससे बन सके उतनी मदद जरूर करनी चाहिए। श्रीमती शर्मा ने कहा कि उनका यह अभियान पूरे महीने अनवरत चलता रहेगा। इस अवसर पर श्रीमती मीना शर्मा के साथ शहर के प्रमुख उद्योगपति और समाजसेवी नितिन भल्ला, अनिल शर्मा, संतोष अरविंद आदि उपस्थित थे।

पेज एक का शेष...

अखाड़ा बना भारतीय कुश्ती...के बाद बृजभूषण शरण ने आज फिर इन्हीं खिलाड़ियों पर हमला बोला है। बृजभूषण शरण ने कहा कि कुश्ती में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्र 22 से 28 साल के बीच ही होती है। उन्होंने पहलवानों पर हमला बोलते हुए कहा कि विरोध करने वाले ये पहलवान ओलंपिक पदक नहीं जीत सकते और यही कारण गुस्से में बदल रहा है और इसलिए वे विरोध कर रहे हैं। वहीं कोच प्रदीप दहिया का भी खिलाड़ियों के आरोपों पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े खिलाड़ी अगर बोल रहे हैं तो कुछ तो सच्चाई होगी। दहिया ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी को सजा भी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विनेश एक बड़ी महिला खिलाड़ी हैं और अगर वो आरोप लगा रही हैं तो इसका मतलब है उनके साथ कुछ तो हुआ होगा। कॉमनवैल्थ गेम्स में तीन मेडल जीतने वाली विनेश फोगाट ने कुश्ती महासंघ और उसके अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप लगाते हुए कहा कि उनके अकेले के साथ नहीं, बल्कि कई महिला पहलवानों के साथ ब्रजभूषण शरण और उनके संघ से जुड़े कोच-रेफरी ने उत्पीड़न किया है। हालांकि, विनेश ने खुद के साथ यौन उत्पीड़न की बात नहीं कही है। बता दें कि 30 से अधिक पहलवानों ने संघ पर अत्याचार और साजिश का आरोप लगाया है। दूसरी और बृजभूषण शरण ने सभी आरोपों को झूठा बताते हुए हर जांच के लिए तैयार होने की बात कही है।

सीएम ने की जोशीमठ के...बढ़ रहे हैं। गुरुवार को समीक्षा बैठक से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जोशीमठ में भू धंसाव से उत्पन्न हालात की विस्तृत जानकारी दी थी और उनसे आपदा राहत के रूप में केंद्रीय सहायता देने का अनुरोध किया। शाह ने प्रभावितों की आवश्यक मदद का आश्वासन दिया। जोशीमठ में तात्कालिक राहत शिविरों की व्यवस्था, प्री फेब्रीकेटेड ट्रांजिट शेल्टर, स्थायी पुनर्वास, नए स्थानों का विकास, आवास निर्माण, मूल सुविधाएं, मसलन स्कूल, कॉलेज, ड्रेनेज, सीवरेज, जोशीमठ का पुनर्निर्माण, विस्तृतक तकनीकी जांच, भूस्खलन की रोकथाम, संपूर्ण जल निकासी व्यवस्था, शहर में सीवर लाइन की व्यवस्था सभी घरों को सीवर लाइन जोड़ने के कार्य होने हैं। इन सभी सुविधाओं के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री सहायता का अनुरोध किया।

जोशीमठ वासियोंके समर्थन...पछास, भीम आर्मी, प्रगतिशील महिला एकता केन्द्र, यूकेडी आदि के प्रतिनिधियों ने बुद्ध पार्क में एक दिवसीय धरना देकर उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को सात सूत्रीय ज्ञापन प्रेषित किया। धरने को संबोधित करते हुए भाकपा माले राज्य सचिव राजा बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड का ऐतिहासिक जोशीमठ नगर एक अभूतपूर्व गंभीर संकट से गुजर रहा है। इस संकट ने इस महत्वपूर्ण शहर के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है। इस संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार ठोस कार्यवाही नहीं कर रही। इस आपात स्थिति में प्रधानमंत्री को सीधे हस्तक्षेप कर रेसक्यू ऑपरेशन को सीधे अपने हाथ में लेकर, युद्ध स्तर पर राहत कार्य को अंजाम देना चाहिए। डा कैलाश पाण्डेय ने कहा कि 2013 की केदार आपदा के बाद भी केंद्र और राज्य सरकार का उत्तराखंड में विकास हेतु नीतियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और केदारनाथ को कंक्रीट के जंगल में बदल दिया गया है। विनाशकारी जल विद्युत परियोजनाओं और चार धाम परियोजना को जारी रखा गया है, ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल मार्ग के निर्माण के दौरान भी कई जगह दरार पढ़ने की सूचनाएं मिल रही है। अभी भी समय है कि मध्य हिमालय के संवेदनशील इलाके में विकास की दिशा को जनपक्षीय बनाने के लिए एक नई कार्ययोजना तैयार की जाए अन्यथा आने वाले समय में बड़े जानमाल के संकट का खतरा अवश्यंभावी है।अन्य वक्ताओं ने कहा जोशीमठ को बचाने के लिए जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संघर्ष के साथ सभी अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हैं। धरने में राजा बहुगुणा, जीआर टम्टा, केके बोरा, टीआर पांडे, बहादुर सिंह जंगी, रजनी जोशी, नफीस अहमद खान, गिरिजा पाठक, मोहन मटियाली, हरीश लोधी, विमला रौथाण, एनडी जोशी, निर्मला शाही, कमल जोशी, महेशचंद्र, शेखर भट्ट, किशन बघरी, प्रकाश फुलोरिया, प्रभात पाल, मो फुरकान, बालकिशन राम, रितिक कांत, आनन्द सिंह दानू, अनिल कुमार, भवानी राम टम्टा, टुंपा चक्रवर्ती, प्रोनोबेस करमाकर, कुलदीप सिंह, आनन्द आदि शामिल रहे।

जीजीआईसी के पास..भीषण आग लग गई। घटना के दौरान स्कूल में अध्यनरत छात्राओं का आगमन शुरू हो गया था। ट्रांसफार्मर में धमाके के साथ आग लगते ही समीप मौजूद छात्राएं चिल्लाती हुई भागने लगी। वहीं अन्य लोग भी जलते ट्रांसफार्मर से दूर हट गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस एवं दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस व दमकलकर्मी मौके पर आ गए और उन्होंने आग पर काबू पाया। समय पर आग पर काबू पा लेने से कोई बड़ा हादसा नही हुआ।

नृसिंह मंदिर में सभी...दी है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो बदरीनाथ धाम का खजाना पीपलकोटी में मंदिर समिति के निरीक्षण भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा। अजेंद्र अजय ने यहां निरीक्षण कर यह बात कही। कहा कि जरूरत पड़ने पर यहां स्थित निरीक्षण भवन के हॉल को स्ट्रांग रूम बनाया जाएगा। उन्होंने मंदिर समिति के अधिकारियों के साथ खजाने की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की।चारधाम यात्रा संपन्न होते ही बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के हेड ऑफिस के साथ ही बदरीनाथ धाम का करोड़ों का खजाना भी जोशीमठ शिफ्ट कर दिया जाता है।

लोनिविके गेस्ट...इसके निचले तल में कुछ जगह पर टाइल्स भी उखड़ने लग गई हैं। इस लिहाज से गेस्ट हाउस के पांच डीलक्स कमरे असुरक्षित हो गए हैं। जल्द ही इस भवन को भी असुरक्षित घोषित करने के आसार हैं। थाने के पीछे वाले भवनों में भी दरारें आ गई हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में यहां दरारें आई हैं। थाने के पीछे एक बड़ा गड्ढा बना हुआ है और दो दिन में यहां दरारें काफी बढ़ी हैं।

बैंक लिमिट बनाने.. के डॉक्यूमेंट ले लिए। लोन की प्रक्रिया पर मनोज के कहने पर ही बैंक के वरिष्ठ अधिकारी व अन्य लोगों के एकाउंट में 35 लाख रुपये डाले। जिन लोगों को रामकिशन ने बैंक का अधिकारी बता कर उनके एकाउंट में धन डलवाया था उन बैंक के अधिकारियों से मिलने महिला देहरादून गई तो वहां कोई भी व्यक्ति बैंक में कार्यरत नहीं था। पीड़िता का कहना है जब उसने रामकिशन से पूरे मामले में बात की तो रामकिशन टालमटोल करने लगा। अब न तो रामकिशन पैसा लौटा रहा है न हीं लोन दिलवा रहा है। यहां तक कि अब रामकिशन उसे मारने की धमकी भी दे रहा है। पूरे मामले में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG BOSCH SONY JBL VOLTAS IFB DELL DAIKIN ONEPLUS MITSUBISHI ELECTRIC Whirlpool AMSTRAD LLOYD SANSUI

गुरू मां

अब मिलेगा Online से भी सस्ता

DIWALI DHAMAKA Sale

NO COST EMI | ATTRACTIVE EXCHANGE OFFERS | UPTO 55% OFF | UPTO 25% ADD CASHBACK

LED TV पर ऐसे ऑफर्स, खरीदे बिना रहा ना जाए

वाशिंग मशीन पर पैसा वसूल ऑफर्स

JBL स्पीकर्स - मनोरंजन अनलिमिटेड

आपके किचन की बढ़ाये शान

ऑफर्स ऐसे खरीदे बिना रहा ना जाए

सबसे कम दाम गारंटीड

डील्स ऐसी, जो कही ना मिले

WASHING MACHINE ONLY - ₹7,990/-* | LED TELEVISION ONLY - ₹9,990/-* | REFRIGERATOR ONLY - ₹9,990/-*

BAJAJ FINSERV HDB FINANCIAL SERVICES

आधार लाये, उधार ले जाएँ

EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*

EASY EMI OPTION AVAILABLE

दाम में भी कम, बिजली खपत भी करे कम

*Terms&ConditionsApply | *UnderExchange

HALDWANI
Tikonia +919997207007
Pilikothi +919690256666
Pilikothi +918923468434

KASHIPUR
Kashipur +91 8303074949
Ramnagar Road +91 8791989500
Cheema Chauraha +91 9012451341
Cheema Chauraha +91 9690785231

RUDRAPUR
Civil Lines +91 8958533331
Kashipur by Pass +91 9690282777
Kashipur by Pass +91 7895741313
Kashipur by Pass +91 9917170230

MORADABAD
Moradabad +91 7017558272

KICHHA
Kichha +91 7017595920
(Deepak Electronics)

HARIDWAR
Haridwar +91 9761699704

GADARPUR
Gadarpur +91 9927850999
(Guru Nanak Enterprises)